● वर्ष : 17 ● अंक : 141 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 12 मार्च 2026

पश्चिम एशिया संकट पर कांग्रेस राजनीति कर रही, अफवाहों से सतर्क रहें: प्रधानमंत्री

एजेंसी। एर्नाकुलम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को केरल के एर्नाकुलम में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और वामदलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट जैसे वैश्विक मुद्दे पर भी कांग्रेस राजनीति कर रही है और अफवाहें फैलाकर देश में डर का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर लोगों की चिंता स्वाभाविक है क्योंकि लाखों भारतीय वहां काम करते हैं। लेकिन देश को भरोसा रखना चाहिए कि भाजपा-एनडीए सरकार अपने नागरिकों को संकट में कभी अकेला नहीं छोड़ती। उन्होंने कहा कि चाहे ईराक में नर्सों को बचाने का मामला हो या यमन में आतंकवादियों के कब्जे से फादर टॉम को छुड़ाने की घटना, भारत ने हमेशा अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी ताकत लगाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान संकट के दौरान भी सरकार भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि खाड़ी देशों की सरकारें भी भारतीय नागरिकों का ध्यान रख रही हैं और वहां स्थित भारतीय दूतावास 24 घंटे सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिसमें भोजन, चिकित्सा और कानूनी मदद शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतने बड़े वैश्विक संकट के समय भी कांग्रेस उकसाने वाले और गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रही है, जिससे हालात बिगड़ सकते हैं और विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी दलों का पूरा तंत्र इस समय अफवाहें फैलाने और देश में भय का वातावरण बनाने में जुटा है। उन्होंने लोगों से ऐसी अफवाहों से सावधान और सतर्क रहने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के "युवराज" को भारत के युवाओं की क्षमता पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के युवा ड्रोन निर्माण जैसे आधुनिक क्षेत्रों में शानदार काम कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व को इसकी जानकारी तक नहीं है। उन्होंने कहा कि केरल के युवा भी ड्रोन स्टार्टअप और निर्माण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के पहले 25 वर्षों में केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के सत्ता में आने-जाने के क्रम ने राज्य के विकास को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस राजनीतिक पैटर्न के कारण भ्रष्टाचार बढ़ा और कई विकास परियोजनाएं रुक गईं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित केरल के लिए पर्यटन, प्रतिभा और तकनीक को नए अवसर देना जरूरी है। उन्होंने राज्य की जनता से अपील की कि वे भाजपा-एनडीए को भी अवसर दें, जिससे राज्य में विकास की नई दिशा तय हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों ने आत्मनिर्भरता के महत्व को और स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सौर ऊर्जा क्षमता का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा और रेलवे का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कोच्चि में 11 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कोच्चि में लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पेट्रोलियम सेक्टर का विस्तार बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन यूनिट की स्थापना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस यूनिट से हर वर्ष करीब चार लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होगा, जो पैकेजिंग, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइस सहित अनेक उद्योगों को समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हब बन रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए अधिक से अधिक ग्रीन और क्लीन एनर्जी पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सोलर पावर के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इसी दिशा में केरल में सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए वेस्ट कल्लाडा में 50 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में जलाशय होने के कारण फ्लोटिंग सोलर पावर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचे पर हो रहे निवेश के लिए आज पूरी दुनिया भारत की सराहना कर रही है। इस वर्ष केंद्र सरकार के बजट में भी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिकॉर्ड राशि का प्रावधान किया गया है, जिसका लाभ केरल को भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शोरनूर जंक्शन, कुट्टिपुरम और चंगनासेरी रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है। इसके साथ ही शोरनूर-नीलांबुर रेल लाइन के एक बड़े हिस्से का विद्युतीकरण भी पूरा किया गया है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

जंग के चलते तेल-गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरु कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है।

इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पादक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग बंद करना मनमानी: आप सांसद राघव चड्ढा

आप सांसद ने उच्च सदन में उठाया मामला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद के उच्च सदन में मोबाइल उपभोक्ताओं से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रीपेड मोबाइल रिचार्ज समाप्त होने पर इनकमिंग कॉल और एसएमएस सेवा बंद कर देना मोबाइल कंपनियों की मनमानी है और इससे करोड़ों उपभोक्ता प्रभावित होते हैं। सांसद राघव चड्ढा ने कहा, कि टेलिकॉम रेग्यूलेट्री अथॉरिटी ऑफ इंडिया (टीआरएआई) के आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 125 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं, जिनमें लगभग 90 प्रतिशत प्रीपेड यूजर्स हैं। उन्होंने बताया कि प्रीपेड उपभोक्ताओं को दो प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनमें सबसे बड़ी समस्या रिचार्ज की वैधता खत्म होने पर इनकमिंग कॉल और एसएमएस का बंद हो जाना है। राघव चड्ढा ने कहा कि जब किसी प्रीपेड प्लान की वैधता समाप्त हो जाती है तो आउटगोइंग कॉल बंद होना समझ में आता है, क्योंकि उसके लिए सेवा शुल्क देना होता है। लेकिन फोन, सिम कार्ड और मोबाइल नंबर उपभोक्ता का होने के बावजूद इनकमिंग कॉल और एसएमएस को बंद कर देना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि आज के समय में मोबाइल नंबर केवल संचार का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यक्ति की डिजिटल पहचान बन चुका है। बैंकिंग सेवाओं, यूपीआई भुगतान, ट्रेन टिकट बुकिंग, पैन-आधार सत्यापन, नौकरी से जुड़े इंटरव्यू कॉल, अस्पतालों की जानकारी और पारिवारिक संपर्क जैसी अनेक जरूरी सूचनाएं मोबाइल पर आने वाले कॉल और एसएमएस के माध्यम से मिलती हैं।

भारतीय सहयोग को मजबूत करने के लिए ढाका ने बढ़ाया हाथ

कहा- हम रिश्ते सुधारना चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन और तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के साथ द्विपक्षीय कूटनीतिक और सुरक्षा संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत मार्च की शुरुआत में बांग्लादेश की शीर्ष रक्षा खुफिया एजेंसी, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फोर्सेज इंटेलिजेंस (डीजीएफआई) के प्रमुख ने भारत का एक उच्च-स्तरीय दौरा किया। तारिक रहमान सरकार के सत्ता संभालने के बाद किसी भी शीर्ष सैन्य या खुफिया अधिकारी की यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा है, जिसे दोनों देशों के बीच भविष्य के सुरक्षा ढांचे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बांग्लादेश के नवनियुक्त डीजीएफआई महानिदेशक मेजर-जनरल कैसर राशिद चौधरी ने 1 से 3 मार्च के बीच दिल्ली का दौरा किया। अपनी इस संक्षिप्त लेकिन प्रभावी यात्रा के दौरान उन्होंने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के प्रमुख पराग जैन और सैन्य खुफिया महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल आर. एस. रमन के साथ गहन चर्चा की। 2 मार्च को आयोजित एक विशेष बैठक के दौरान दोनों देशों के खुफिया प्रमुखों ने सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षा साझेदारी को और अधिक गहरा करने की रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

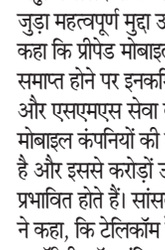

जंग का असर: दो दिन और चलेगी एलपीजी, रसोई गैस की किल्लत से होटल-रेस्टोरेंट में हाहाकार

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजार और रसोई तक पहुँचता दिख रहा है। वैश्विक उथल-पुथल के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और एलपीजी सप्लाई में आ रही दिक्कतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने देशभर में आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसीए) लागू कर दिया है, ताकि एलपीजी और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। वहीं खबरें आ रहीं है कि एलपीजी का सिर्फ दो दिन का स्टॉक बचा और रेस्टोरेंट उद्योग में हाहाकार मचा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी शिकायतें आ रही थीं कि बुकिंग के 4-5 दिनों बाद भी गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो पा रही है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब आवश्यक सेवाओं को गैस आपूर्ति में प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि कुछ गैर-जरूरी उद्योगों को मिलने वाली आपूर्ति को सीमित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि पश्चिम एशिया के संकट का बोझ आम आदमी पर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक संकट के दौरान जनता का भरोसा बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे जनता तक यह संदेश पहुँचाएं कि देश में तेल और गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और हमारी सप्लाई चेन मैनेजमेंट किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। जहाँ तक रसोई गैस की कीमतों में हाल ही में हुई 60 रुपये की वृद्धि का सवाल है, सरकार का कहना है कि यह मौजूदा युद्ध की स्थिति के कारण नहीं, बल्कि पिछले साल की अंडर-रिकवरी की वजह से है। हालांकि, युद्ध की वजह से परिवहन मार्गों में आई बाधाओं के चलते शनिवार को ही एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए थे, जिसमें घरेलू सिलेंडर पर 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर पर 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई।

अयोध्या में राम रसोई करनी पड़ी बंद

एलपीजी की किल्लत, राजस्थान में 2500 रुपए में मिल रहा कमर्शियल सिलेंडर

जयपुर। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध का असर अब राजस्थान पर दिखने लगा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एलपीजी की सप्लाई बाधित होने से प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडर की भारी किल्लत हो गई है। इसका सबसे बुरा असर जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे पर्यटन शहरों के होटल्स, रेस्टोरेंट्स और थड़ी संचालकों पर पड़ रहा है। 30 फीसदी से ज्यादा बढ़े दाम सप्लाई चेन टूटने का फायदा अब बिचौलिये और कालाबाजारी करने वाले उठा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर में जिस कमर्शियल सिलेंडर की आधिकारिक कीमत करीब 1911 रुपए है, वह अब चोर बाजार में 2500 रुपए तक में बेचा जा रहा है। जयपुर में रेस्टोरेंट चलाने वाले शख्स ने बताया कि रेस्टोरेंट शुरू किए अभी दो महीने ही हुए हैं। पहले सिलेंडर 1650 रुपए में मिलता था, फिर 1900 रुपए हुआ और अब 2500 रुपए मांग रहे हैं। इतनी महंगी गैस में दाल फ्राई और अन्य व्यंजन बनाना घाटे का सौदा हो रहा है। किराया और स्टाफ की सैलरी निकालना मुश्किल है। रिपोर्ट के मुताबिक झीलों की नगरी उदयपुर में स्थिति और भी गंभीर है। वर्तमान में शादियों का सीजन चल रहा है और विदेशी पर्यटकों की आवक भी ज्यादा है। ऐसे में गैस की कमी ने होटल व्यवसाय की कमर तोड़ दी है। उदयपुर होटल एसोसिएशन के पूर्व सचिव ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार हमें कमर्शियल गैस इस्तेमाल करने के लिए पाबंद करती है, लेकिन संकट आते ही सबसे पहले हमारी ही सप्लाई काट दी जाती है।

हरीश राणा को मिली इच्छामृत्यु की इजाजत फैसला सुनाते समय जज हो गए भावुक

एजेंसी। नई दिल्ली

कोर्ट ने कहा- राणा सिर्फ सोने-जागने के चक्र में फंसे हैं, नहीं दे रहे अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 32 साल के हरीश राणा को इच्छामृत्यु की इजाजत दे दी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट में माहौल गमगीन हो गया। फैसला सुनाते समय जस्टिस जे बी पारदीवाला बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गईं। बता दें सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के वी विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को हरीश का वेंटीलेटर हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। बता दें इससे पहले यह मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। इस मामले से सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी 'राइट टू डाई विद डिग्निटी' जैसे अहम सवाल भी जुड़े हुए थे। बुधवार को फैसला सुनाते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। मामले की परिस्थितियों का जिक्र करते समय जस्टिस पारदीवाला भावुक हो गए और कुछ समय के लिए उनकी आवाज भर आई। पीठ ने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। कोर्ट ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने-जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। कोर्ट ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन (कैन) दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

दुबई एयरपोर्ट के पास ईरानी ड्रोन हमले में एक भारतीय समेत 4 घायल

शारजाह। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बुधवार सुबह ईरान के दो ड्रोन हमले में एक भारतीय समेत चार लोग घायल हो गए। तीन अन्य घायलों में एक बांग्लादेश और दो घाना के नागरिक शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार इस घटना के बावजूद एयरपोर्ट पर वायु परिवहन सामान्य रूप से जारी है। गल्फ न्यूज, खलीज टाइम्स एवं अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बुधवार सुबह दो ड्रोन गिरने की घटना सामने आई है, जिसमें चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में एक भारतीय, एक बांग्लादेशी और दो घाना के नागरिक हैं। सभी को हल्की चोटें आईं और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई।

तेल का गहराया संकट, भारत ने ईरान से की बात कहा- कूटनीति से निकालें समाधान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण सैन्य संघर्ष और ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत ने कूटनीतिक सक्रियता तेज कर दी है। इसी क्रम में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर विस्तृत बातचीत की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में युद्ध की स्थिति बनी हुई है और वैश्विक व्यापारिक मार्ग खतरे में हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के बाद डॉ. जयशंकर और अराघची के बीच यह तीसरी महत्वपूर्ण बातचीत थी। यह वार्ता ईरान के नए सर्वोच्च नेता के रूप में मोजतबा खामेनेई की नियुक्ति के बाद पहली बार हुई है। मोजतबा को उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की एक सैन्य हमले में हुई मृत्यु के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। बातचीत के दौरान ईरानी विदेश मंत्री ने समुद्री सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में उत्पन्न असुरक्षित स्थिति के लिए सीधे तौर पर अमेरिका और इजरायल की आक्रामक कार्रवाइयों को जिम्मेदार ठहराया। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि इस अस्थिरता के लिए अमेरिका की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। दूसरी ओर, डॉ. जयशंकर ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से पुष्टि की कि क्षेत्र के नवीनतम घटनाक्रमों पर गहन चर्चा हुई है और दोनों देश निरंतर संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। भारत के लिए यह संकट अत्यंत संवेदनशील है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने से वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है।

भारी नुकसान: ईरान में भीषण बमबारी से एयरपोर्ट हुआ तबाह, पटरियों पर थमी रेल की रफ्तार

एजेंसी। तेहरान

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष ने न केवल सैन्य ठिकानों बल्कि ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, इस युद्ध की आग में ईरान के करीब छह महत्वपूर्ण हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इनमें राजधानी तेहरान का मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे अधिक तबाही का गवाह बना है। हवाई हमलों के कारण लगभग 17 विमानों को नुकसान पहुंचा है, जिससे देश का हवाई परिवहन पूरी तरह चरमरा गया है। हवाई मार्गों के साथ-साथ ईरान का विशाल रेल नेटवर्क भी इस युद्ध की अप्रत्यक्ष मार झेल रहा है। हालांकि, रेलवे लाइनों पर सीधे हमले की खबरें कम हैं, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न हुई परिस्थितियों ने ट्रेनों के पहिए जाम कर दिए हैं।

ईरान में लगभग 13,000 किलोमीटर लंबा रेलवे नेटवर्क है, जिसका संचालन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान रेलवे (आरएआई) द्वारा किया जाता है। मुख्य रूप से मिसाइल साइटों, तेल डिपो और परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाए जाने के कारण पूरे देश में बिजली संकट गहरा गया है। तेहरान सहित कई बड़े शहरों में बिजली कटौती और ईंधन की कमी ने सिग्नलिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिक लाइनों को ठप कर दिया है। सुरक्षा कारणों और बुनियादी ढांचे को पहुंचे नुकसान की वजह से पश्चिमी और मध्य ईरान में रेल सेवाएं या तो पूरी तरह रद्द कर दी गई हैं या उन्हें बेहद सीमित दायरे में चलाया जा रहा है। मरम्मत कार्य में महीनों लगने की आशंका जताई जा रही है। युद्ध के खौफ के कारण यात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है और माल ढुलाई का काम भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।ईरान का रेल नेटवर्क मध्य पूर्व के सबसे बड़े तंत्रों में से एक माना जाता है। इसकी कुल लंबाई 12,998 किलोमीटर है, जिसमें प्रसिद्ध ट्रांस-ईरानियन रेलवे भी शामिल है। इस नेटवर्क में 174 बड़े पुल, 224 सुरंगें और लगभग 360 स्टेशन हैं। सामान्य परिस्थितियों में इस नेटवर्क से हर साल लगभग 2.90 करोड़ यात्री सफर करते हैं और 33 मिलियन टन माल की ढुलाई होती है। वर्तमान में कजाकिस्तान- तुर्कमेनिस्तान-ईरान जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय लिंक भी इस उथल-पुथल की वजह से संकट में हैं, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को बड़ा झटका लगा है।

उत्तर कोरिया ने फिर किया क्रूज मिसाइल परीक्षण

इस्तांबुल/प्योंगयांग। बीते 12 दिनों से पश्चिम एशिया में चल रहे अमेरिका - इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की बीच पूर्वी एशिया में उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए क्रूज मिसाइल परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने नए युद्धपोत से किए गए इस मिसाइल परीक्षण को वीडियो लिंक के जरिए देखा। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रहे हैं, जिसे लेकर उत्तर कोरिया ने चेतावनी स्वरूप यह कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) और चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया है कि बुधवार को उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए नए विध्वंसक युद्धपोत से क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। सरकारी मीडिया के अनुसार देश के नेता किम जोंग उन ने इस परीक्षण को वीडियो लिंक के जरिए देखा।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहलः चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर इस वर्ष भी राजस्थान दिवस का होगा भव्य आयोजन

» 14 से 19 मार्च तक आयोजित होंगे विभिन्न जनकल्याणकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

» 19 मार्च को जालोर में होगा राजस्थान दिवस मुख्य समारोह का आयोजन

लोकतंत्र की शान : जयपुर/ नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गत वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरूआत की गई। इसी क्रम में इस बार भी राज्य सरकार प्रदेशभर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों एवं आयोजनों के माध्यम से भव्य राजस्थान दिवस मनाने जा रही है। प्रदेशभर में 14 मार्च से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी, जो 19 मार्च तक आयोजित होंगे। आयोजन की शुरुआत 14 मार्च से सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह के साथ होगी। इस दौरान जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम होंगे। वहीं, 15 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन' का आयोजन होगा जिसका फ्लैग ऑफ मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा करेंगे। साथ ही, सभी जिलों में भी विकसित रन का आयोजन भी किया जाएगा। 15 मार्च को ही 'राजस्थान को जाने' डिजिटल क्विज का शुभारंभ तथा जयपुर में ओडीओपी मेला एवं प्रदर्शनी का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में निबंध, भाषण एवं चित्रकारी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी दिन शाम को दिल्ली के बीकानेर हाउस में पांच दिवसीय 'राजस्थान दिवस/बीकानेर हाऊस' का शुभारंभ किया जाएगा।

'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस', 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' का होगा आयोजन-16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में 'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत विकास कार्यों का शिलान्यास, जनजाति कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 मार्च को जयपुर में 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' मनाते हुए राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन होगा। वहीं, सभी जिलों में 'राजस्थान को जानें' क्विज आयोजित की जाएगी। शाम को उद्यमियो के साथ संवाद, निजी क्षेत्र में रोजगार पत्र हस्तांतरण आदि गतिविधियां भी आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री होंगे महाआरती में शामिल-किसानों एवं पशुपालकों से संवाद, विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करते हुए 18 मार्च को किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस मनाया जाएगा। शाम को प्रदेशभर में राजकीय मंदिरों में आरती का आयोजन होगा और मुख्यमंत्री भी महाआरती में शामिल होंगे। राजस्थान दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन 19 मार्च को जालोर में किया जाएगा। इस दौरान लाभार्थी सम्मेलन आयोजित होगा जिसमें लाभार्थियों के साथ संवाद एवं प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण किया जाएगा। वहीं, शाम को जयपुर में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

खजूरी खास में आठ महीने के बच्चे का अपहरण का मामला सुलझा, पुलिस ने दंपती को किया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में आठ महीने के बच्चे के अपहरण का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। खजूरी खास थाने की पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया और इस मामले में एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि नौ मार्च को खजूरी खास थाने में एक महिला ने शिकायत दी कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। महिला ने बताया कि शाम करीब 4:30 बजे करीब 35 वर्ष की एक अज्ञात महिला खाने का लालच देकर उसके आठ महीने के बेटे को अपने साथ ले गई और मौके से फरार हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए खजूरी खास थाने में एफआईआर नंबर 112/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के लिए खजूरी खास थाने के इंस्पेक्टर राकेश यादव के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम में एसआई अभिषेक, एएसआई अमरीश, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल सौदान, कांस्टेबल उत्तम, महिला कांस्टेबल छाया और महिला कांस्टेबल मीना शामिल थे। जांच के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्रोतों से महत्वपूर्ण सुराग जुटाए और तकनीकी एवं स्थानीय जानकारी के आधार पर आरोपितों तक पहुंच बनाई। इसके बाद पुलिस ने रूप नगर इलाके से करीब 30 वर्षीय महिला को पकड़ा और उसके पास से अपहृत आठ महीने के बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान महिला ने अपहरण की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। महिला की निशानदेही पर उसके पति पवन (31) को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जो इस साजिश में शामिल था। पुलिस ने बरामद बच्चे को सुरक्षित उसकी मां को सौंप दिया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

उत्तम नगर हिंसा में शामिल आरोपियों के घरों में तोड़फोड़ पर हाई कोर्ट की रोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को उत्तम नगर हत्याकांड में शामिल आरोपितों के घरों में तोड़फोड़ नहीं करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए एक सप्ताह के अंदर बेहतर याचिका दायर करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के घर सार्वजनिक गली का अतिक्रमण कर बनाए गए हैं। इसे गिराने के लिए कोई नोटिस देने की जरुरत नहीं है। ऐसा उच्चतम न्यायालय भी कह चुका है। दिल्ली नगर निगम के वकील संजय पोद्दार ने कहा कि याचिकाकर्ता इस बात का हलफनामा दें कि उनका घर सार्वजनिक गली की भूमि पर नहीं है। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने कहा कि याचिका भ्रमपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं को दिल्ली नगर निगम के गिराने की कार्रवाई पर सीमित रहना चाहिए और हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई से नहीं। तब कोर्ट ने कहा कि हम वो कार्रवाई करेंगे और उन्हें बेहतर याचिका दायर करने को कहेंगे। उच्च न्यायालय ने 10 मार्च को दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को बुलडोजर कार्रवाई जैसी कोई भी कार्रवाई करने से रोकने का निर्देश दिया था। इस मामले में आरोपित मुस्लिम समुदाय का है जिसकी वजह से इसे सांप्रदायिक रंग दिया गया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सोहैल और अयान से पूछताछ की थी। उच्च न्यायालय में याचिका सोहैल और अयान की मां शहनाज ने दायर की थी। याचिका दायर करने वालों में इस मामले के एक आरोपित इमरान ऊर्फ बंटी की मां जरीना भी शामिल है। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली नगर निगम ने एफआईआर दर्ज होते ही मनमाने तरीके से मकान को गिराने की कार्रवाई की है। याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि उनका घर भी गिराया जा सकता है, क्योंकि उन्हें भी इस मामले में फंसाया गया है। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत और संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 300ए का उल्लंघन है।

ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और कल्याण पर दिल्ली पुलिस की बैठक, एनजीओ ने रखीं समस्याएं

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा, अधिकार और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर बुधवार को विशेष पुलिस इकाई महिला एवं बाल सुरक्षा (एसपीयूडब्ल्यूएसी) में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल के नोडल अधिकारी नबाम गुंगटे ने की। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डी.के.एस. सिंह, एसपीयूडब्ल्यूएसी पुलिस उपायुक्त अंजिथा चेप्याला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के लिए काम करने वाले कई एनजीओ—नजरिया फाउंडेशन, हमसफर ट्रस्ट, एलायंस इंडिया और ट्वीट फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बैठक के दौरान दिल्ली में रह रहे ट्रांसजेंडर समुदाय की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

एबवी ने विश्व ग्लूकोमा सप्ताह पर दृष्टि हानि के मूक खतरे को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : वैश्विक बायोफार्मास्यूटिकल अग्रणी कंपनी एबवी, जो नवोन्मेषी दवाओं और समाधानों के विकास के प्रति प्रतिबद्ध है, ने ग्लूकोमा जागरूकता हेतु राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव #DefeatGlaucoma का आयोजन इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान किया, ताकि ग्लूकोमा पर ध्यान आकृष्ट किया जा सके जो विश्व स्तर पर अपरिवर्तनीय अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक है। इस कॉन्क्लेव में प्रमुख ग्लूकोमा विशेषज्ञों और नेत्र चिकित्सकों को एक मंच पर लाया गया, ताकि रोग के कारण होने वाली दृष्टि हानि को रोकने के लिए शीघ्र पहचान, नियमित नेत्र जाँच और समय पर उपचार के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

भारत में, ग्लूकोमा से अनुमानित 1.2 करोड़ लोग प्रभावित हैं, जिससे देश विश्व स्तर पर सर्वाधिक प्रभावित देशों में से एक है। चिंताजनक रूप से, ग्लूकोमा के लगभग 90% मामले अभी भी निदान नहीं हो पाए हैं 1, क्योंकि प्रारंभिक अवस्था में यह रोग बिना किसी स्पष्ट लक्षण के चुपचाप बढ़ता रहता है। कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि समय पर निदान और उपचार के अभाव में ग्लूकोमा अपरिवर्तनीय दृष्टि हानि का कारण बन सकता है। जन स्वास्थ्य चुनौती के रूप में ग्लूकोमा से निपटने की बढ़ती आवश्यकता है, जिसके लिए आम जनता, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और बहु-स्तरीय नेत्र स्वास्थ्य सेवा तंत्र को शामिल करते हुए समन्वित प्रयासों की जरूरत है।

सुरेश पट्टाथिल, प्रबंध निदेशक एवं महाप्रबंधक, एबवी इंडिया, ने कहाः "ग्लूकोमा को अक्सर 'दृष्टि

का मूक चोर' कहा जाता है क्योंकि कई मरीज़ तब तक रोग से अनजान रहते हैं जब तक काफी हद तक दृष्टि हानि न हो जाए। एबवी में, वैश्विक स्तर पर 75 वर्षों से अधिक की नेत्र देखभाल विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, हम नेत्र देखभाल को आगे बढ़ाने और मरीज़ों के परिणामों को बेहतर बनाने के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध हैं। इस कॉन्क्लेव जैसी पहलों के माध्यम से, हम न केवल शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता सुदृढ़ करना चाहते हैं बल्कि नियमित नेत्र जाँच को भी प्रोत्साहित करना चाहते हैं। हम प्रयासरत हैं कि अधिक से अधिक लोग अपनी दृष्टि की रक्षा कर सकें, अपने जीवन की गुणवत्ता को सुरक्षित रख सकें और #DefeatGlaucoma के मिशन में हमारे साथ जुड़ सकें।" कॉन्क्लेव में ग्लूकोमा देखभाल के प्रमुख विशेषज्ञों के साथ एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सुनीता दुबे, एसोसिएट मेडिकल डायरेक्टर, ग्लूकोमा सेवाओं की प्रमुख और क्वालिटी एश्योरेंस की चेयरपर्सन, डॉ. श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल, डॉ. हर्ष कुमार, मोतियाबिंद और ग्लूकोमा विशेषज्ञ, सेंटर फॉर साइट, दिल्ली, तथा डॉ. रमनजीत सिहोता, ग्लूकोमा विशेषज्ञ, श्रॉफ आई सेंटर शामिल रहे। सत्र का संचालन डॉ. देवेन तुली, ग्लूकोमा विशेषज्ञ, नेत्रम आई फाउंडेशन द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को ग्लूकोमा के वास्तविक जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को बेहतर ढंग से समझाने के लिए, कार्यक्रम की शुरुआत एक ग्लूकोमा विज़न एक्सपीरियंस डेमॉन्स्ट्रेशन से हुई, जिससे प्रतिभागी इस रोग से पीड़ित लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली दृश्य सीमाओं का अनुभव कर सकें। इस गतिविधि ने पत्रकारों और उपस्थित लोगों को यह प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर दिया कि ग्लूकोमा किस प्रकार परिधीय दृष्टि को क्रमशः प्रभावित करता है, जिससे शीघ्र जाँच के महत्व को और अधिक बल मिला। कॉन्क्लेव में बोलते हुए, डॉ. सुनीता दुबे ने समय पर निदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "ग्लूकोमा अक्सर धीरे-धीरे विकसित होता है और कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाता, यही कारण है कि कई मरीज़ों के रोग का तब तक पता नहीं चल पता जब तक अपरिवर्तनीय क्षति न हो जाए। विशेष रूप से 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित नेत्र जाँच शीघ्र पहचान और दृष्टि संरक्षण के लिए आवश्यक है।"

थाना खजूरी खास पुलिस टीम ने शिशु अपहरण का मामला सुलझाया – बच्चा सुरक्षित बरामद, दंपत्ति गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

दिनांक 09.03.2026 को थाना खजूरी खास में एक बच्चे के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता 45 वर्षीय महिला ने पुलिस को बताया कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। उसने बताया कि लगभग शाम 4:30 बजे करीब 35 वर्ष की एक अज्ञात महिला भोजन देने का बहाना बनाकर उसके 8 महीने के बेटे को अपने साथ ले गई और मौके से फरार हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना खजूरी खास में एफआईआर संख्या 112/26 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। जांच के लिए इंस्पेक्टर राकेश यादव, SHO/थाना खजूरी खास के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें एसआई अभिषेक, एएसआई अमरीश, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल सौदान, कांस्टेबल उत्तम, महिला कांस्टेबल छाया तथा महिला कांस्टेबल (डीएचजी) मीना शामिल थे। यह पूरी कार्रवाई श्री यतिन शर्मा, आईपीएस, एसीपी/खजूरी खास के करीबी पर्यवेक्षण में की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्रोतों से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और अहम सुराग विकसित किए। प्राप्त सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने रूप नगर क्षेत्र से 30 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया

और उसके कब्जे से अपहृत शिशु को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी महिला ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसके बताने पर उसके पति पवन (31 वर्ष) को भी पकड़ा गया और अपहरण में उसकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया। बरामद किए गए बच्चे को सुरक्षित उसकी मां को सौंप दिया गया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। मामले में आगे की जांच जारी है। (आशीष मिश्रा) आईपीएस पुलिस उपायुक्त उत्तर-पूर्व जिला, दिल्ली

लोकसभा में बोले राहुल गांधी- 'विपक्षी सांसदों को सदन में बोलने नहीं दिया जाता; प्रधानमंत्री द्वारा किए गए समझौतों को लेकर बुनियादी सवाल उठाने पर मुझे बोलने से रोका गया'

» भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार हुआ कि विपक्ष के नेता को सदन में बात रखने का अवसर नहीं दिया गया- राहुल

» प्रियंका गांधी बोलीं- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में अपशब्द इस्तेमाल करते हैं और स्पीकर उन्हें रोकते भी नहीं

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चल रही चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सदन में विपक्षी सांसदों को बोलने से रोका जाता है। पिछली बार जब उन्होंने (राहुल गांधी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए समझौतों को लेकर बुनियादी सवाल उठाए, तब भी उन्हें बोलने से रोक दिया गया। लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह सदन भारत की जनता की अभिव्यक्ति है; यह सदन किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि हर बार जब विपक्ष के सांसद बोलने के लिए खड़े होते हैं, उन्हें बोलने से रोक दिया जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार नेता प्रतिपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि पिछली बार जब उन्होंने प्रधानमंत्री के कॉम्प्रोमाइज्ड होने, नरवणे, एपस्टीन और अडानी के मुद्दे उठाए, तो उन्हें चुप करा दिया गया। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे भारत की जनता के लिए बेहद बुनियादी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं और इसके परिणाम क्या हैं, यह सभी जानते हैं। वहीं कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में देशभर में बढ़ती कीमतों और बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के लिए भाजपा सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बढ़ती कीमतों व बेरोजगारी का जिक्र किया और पूछा कि जनता और कितना बर्दाश्त करेगी? पत्रकारों द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर पूछे सवाल के जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव राहुल गांधी जी पर नहीं था, स्पीकर पर था, उस विषय पर बोलना चाहिए था।

चिराग दिल्ली मेट्रो स्टेशन के पास घर में लगी आग, पूर्व पार्षद समेत दो झुलसे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में बुधवार सुबह एक मकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में घर के मालिक और एक मासूम बच्चा झुलस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब 5:44 बजे चिराग दिल्ली स्थित हनुमान रोड पर मकान नंबर 582 में आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। यह आग मकान की ऊपरी मंजिल पर घरेलू सामान में लगी थी। इमारत बेसमेंट सहित चार मंजिला है और पांचवीं मंजिल आंशिक रूप से निर्माणाधीन है। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा फ्लोर इसकी चपेट में आ गया। इस दौरान घर के मालिक, भाजपा के नेता एवं पूर्व पार्षद राकेश गुलिया (55) झुलस गए। वहीं घर में मौजूद तीन साल का बच्चा क्यवांश भी आग की चपेट में आने से हल्का झुलस गया। दोनों को तुरंत इलाज

के लिए एम्स ट्रामा भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने राकेश गुलिया की हालत खतरे से बाहर बताई है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक आग पर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह काबू पा लिया गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

गुब्बारा फेंकने के विवाद में युवक की हत्या के बाद तनाव, पीड़ित परिवार ने 40 लोगों के शामिल होने का किया दावा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर इलाके में होली के दौरान गुब्बारा फेंकने के मामूली विवाद में युवक तरुण की बेरहमी से हत्या के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने इस मामले में अब तक दो नाबालिग और तीन महिलाओं समेत कुल 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। उधर, पीड़ित परिवार का दावा है कि वारदात में केवल 16 नहीं बल्कि करीब 40 लोग शामिल थे। परिवार ने बाकी आरोपियों की एक सूची भी पुलिस को सौंपी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस सूची में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है और घटना के समय उनकी मौजूदगी तथा गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि तरुण हत्याकांड में अब तक सभी मुख्य 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई और व्यक्ति घटना में शामिल पाया जाता है, तो उसे भी किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इधर, घटना के बाद इलाके में लगातार गतिविधियों के चलते तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों की कई कंपनियां तैनात की गई हैं। वरिष्ठ

पुलिस अधिकारी भी मौके पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। वहीं, पीड़ित परिवार से मिलने के लिए भी लगातार लोग पहुंच रहे हैं। मंगलवार को पीड़ित परिवार हरिद्वार गया, जहां तरुण की अस्थियों का विसर्जन किया गया। इस दौरान परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। परिवार ने पुलिस से मांग की है कि वारदात में शामिल बाकी आरोपितों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। परिवार का दावा है कि आरोपित परिवार के सात से आठ रिश्तेदारों के घर उसी गली में हैं और घटना वाली रात सभी लोग एकत्रित हो गए थे। नाबालिग के लापता होने की अफवाह फैला रहा आरोपित परिवार तरुण हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपित परिवार की एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में महिला अपने परिवार के एक नाबालिग लड़के के लापता होने का दावा कर रही है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर टैग कर कई लोग पुलिस से नाबालिग के बारे में सवाल कर रहे हैं। इसपर द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने स्पष्ट किया कि नाबालिग के लापता होने की बात पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि संबंधित नाबालिग तरुण हत्याकांड का मुख्य आरोपित है। उसे पहले ही पकड़कर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां से उसे ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन का कल राष्ट्रपति करेंगी उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कृषि में महिलाओं की भूमिका को उजागर करने के मकसद से गुरुवार से तीन दिवसीय (12–14 मार्च) वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। आईसीएआर सम्मेलन केन्द्र में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय 'कृषि-खाद्य श्रृंखला में महिलाओं की भागीदारी पर वैश्विक सम्मेलन (जीसीडब्ल्यूएएस–2026)' कार्यक्रम का उद्घाटन गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समापन सत्र में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि रहेंगी। सम्मेलन का आयोजन कृषि विज्ञान के विकास के लिए न्यास (टीएएएस), भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर (आईसीएआर), अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान हेतु परामर्शदात्री समूह (सीजीआईएआर) और पादप किस्म एवं कृषक

अधिकार संरक्षण प्राधिकरण संयुक्त रूप से कर रहा है। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम एल जाट ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि सम्मेलन में 15 से ज़्यादा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगठन सह-आयोजनकर्ता एवं ज्ञान साझेदार के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत तथा दुनिया भर से वैज्ञानिक, नीति निर्माण, उद्योग जगत के प्रमुख लोग, उद्यमी, प्रगतिशील पेशेवर, महिला किसान, नव-उद्यम तथा विद्यार्थियों समेत 700 से ज़्यादा अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े लोगों भी भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वैश्विक सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी को मुख्यधारा में लाने हेतु नीतिगत कार्य योजना तथा इसके पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करना तथा टिकाऊ एवं समावेशी कृषि-खाद्य प्रणाली बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। इस सम्मेलन की अध्यक्ष डॉ. रेणु स्वरूप, कृषि सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार तथा सह-अध्यक्ष, डॉ. राजबीर सिंह, उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार), आईसीएआर होंगे। सम्मेलन के सत्रों को संबोधित करने वाले वक्ताओं में डॉ. एग्नेस कालीबाटा, संस्थापक एवं चेयर, कनेक्ट4इंपेक्ट, डॉ. सौम्या स्वामीनाथन, विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता डॉ. शकुंतला एच. थिल्स्टेड, एनआईएसडी की निदेशक डॉ. नित्या राव शामिल हैं।

विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को दी बधाई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली के नए उपराज्यपाल के रूप में शपथ लेने पर अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नए उपराज्यपाल का विशाल राजनयिक अनुभव और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता निस्संदेह राष्ट्रीय राजधानी के शासन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। विधानसभा अध्यक्ष ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में संधू की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनका कार्यकाल शहर की जनता की सेवा के लिए समर्पित, प्रतिष्ठित और फलदायी होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बुधवार को लोक निवास में

आयोजित आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर उपराज्यपाल को शुभकामनाएं प्रकट की।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के कई जिलों में बनेंगे मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12 तक) के निर्माण के लिए शासकीय एवं वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि लखनऊ के मलिहाबाद, बहराइच, चंदौली, मिर्जापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, गाजियाबाद, कानपुर देहात, वाराणसी, कौशांबी, फर्रुखाबाद, अमेठी तथा उन्नाव सहित कई जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण के लिए शासनादेश जारी किए गए हैं। इन विद्यालयों के निर्माण पर प्रत्येक परियोजना के लिए लगभग 23 से 28 करोड़ रुपये तक की लागत स्वीकृत की गई है और प्रथम किस्त के रूप में संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को धनराशि भी जारी कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना से विद्यार्थियों को एक ही परिसर में प्री-प्राइमरी से कक्षा-12 तक आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन विद्यालयों में आधुनिक कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं और अन्य आवश्यक संसाधन विकसित किए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

देसी शराब ठेके के सेल्समैन पर घात लगाकर हमला, हायर सेंटर रेफर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: मंगलवार देर रात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में देसी शराब के ठेके पर से सेल्समैन के घर लौटते समय रास्ते में अज्ञात हमलावरों ने हमला कर घायल कर दिया,

घायल सेल्समैन को उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया, पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, बता ते चलें कि मोहल्ला होली वाला निवासी भरत कुमार पुत्र भूकंन शरन करनखाल गांव स्थित विवेक गुप्ता की देसी शराब की दुकान पर सेल्समैन है, मंगलवार रात करीब 10 बजे भरत कुमार देसी शराब की दुकान बंद कर बाइक से हसनपुर लौट रहे थे इस बीच करनखाल गांव पर करते ही पुलिया के पास पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे दो /तीन अज्ञात हमलावरों ने उन्हें रोक लिया और लाठी डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिससे भरत कुमार लहू लुहान हो कर सड़क पर गिर गये, वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए वहीं राहागिरो की सूचना पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची घायल भरत कुमार को हसनपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया । वही मेरठ में उनकी हालत नाजुक बनी हुई है, इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि घटना के संबंध में तहरीर मिल गई है अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं तथा जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी ।

शबे शहादतः फुजतोबेरब्बिलकाबा खुदा की कसम आज अली कामयाब हो गया

लोकतंत्र की शान , ज़िया अब्बास, बिजनौर: विश्व पर्सिद दरगाह ए आलिया नजफ़ ए हिन्द जोगीपुरा बिजनौर मे मोला ए कायनात दामाद ए पयम्बर शिया मुसलमानो के

पहले इमाम हज़रत अली की शहादत के अफसर पर ताबूत बरामद किया गया, जिसमे हिंदुस्तान के कोने कोने से आये हज़ारो की तादाद मे आये जायरिनो ने बहुत गमगीन माहोल मे मौला अली की बारगाह मे पुरसा दिया ! मस्जिदे कुफा मे सुबह की नमाज़ के वक़्त इब्ने मुलजिम नामक व्यक्ति ने ज़हर से बुझी हुई तलवार सर पर मार कर सजदे की हालत मे गभीर रूप से घायल कर दिया बीस रमजान को आपकी शहादत हो गयी ! मौला अली के रोज़े मे शाम 4 बजे एक मजलिस मरहूम युसुफ रज़ा नक़वी की बरसी पर मुनक्कीद की गयी जिसको खिताब किया पूर्व उप-सचिव हुज्जतुल इस्लाम मौलाना फिरोज हैदर नक़वी ने इस सिलसिले मे मस्जिद मे एक मजलिसे अज़ा रात्री 10 बजे शुरू हुई जिसकी मरसियाखानी फिरोज़ हैदर नक़वी व उनके हमनवा ने की, और मजलिस को खिताब किया ख़तीबुल हिन्द अल्लामा मौलाना शबाब नक़वी सिरसी ने आप ने फरमाया की मौला अली अपने जीवन भर गरीबो, यतीमो, व समाज मे कमजोर लोगो की मदद करते रहे ! आप ने इस्लाम के विस्तार के लिये कई जंगों को फतह किया, ताबूत मे शिरकत करने के लिये हिंदुस्तान की मशहूर अंजुमनों ने भाग लिया और नोहाखानी व सिनाजनी की गयी इस सिलसिले मे दूसरी मजलिस व ताबूत मौला अली के रोज़े से सुबह की नमाज़ के बाद बरामद किया गया जिस मजलिस को खिताब किया कोरडिनेटर डॉ. मिर्ज़ा शफीक हुसैन शफक ने इस प्रोग्राम का संचालन नसीमुल बाकरी ने किया अंत मे प्रशासक मौलाना शबाब नक़वी ने सभी मेहमानो व जायरिनो का शुक्रिया अदा किया ! इस अफसर पर चौधरी उरुज आलम नेता मुसायब हुसैन मौलाना फिरोज हैदर नक़वी, प्रबन्धक हुसैन मेहंदी, चौधरी सीरत उरुज, मोमिन रज़ा

मुनाफे का लालच बना जाल, निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी

साइबर जागरूकता अभियान के बीच एक और बड़ी खबर

जनता के करोड़ों रुपए लेकर फरार

लोकतंत्र की शान : (खिज़र अहमद) : नजीबाबाद क्षेत्र में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक कंपनी के संचालकों ने

लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर उनसे बड़ी रकम निवेश कराई और बाद में फरार हो गए। जानकारी के अनुसार नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के गांव हरवाड़ा में अलफलाह स्कूल के पास "ड्रीम सनशाइन" नाम से एक कार्यालय खोला गया था। यहां लोगों को कंपनी में निवेश करने पर प्रति लाख रुपये पर हर महीने चार से पांच हजार रुपये मुनाफा देने का लालच दिया जाता था। शुरूआत में कुछ समय तक लोगों को भुगतान भी किया गया, जिससे प्रभावित होकर क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में कंपनी में पैसा जमा कर दिया। बताया जाता है कि क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने तीन से पांच लाख रुपये तक और कुछ लोगों ने 10 से 15 लाख रुपये तक की रकम निवेश की थी। अनुमान है कि स्थानीय स्तर पर चार से पांच करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि कंपनी में जमा कराई गई थी। इसी बीच कंपनी से जुड़े कुछ लोगों के फरार होने की खबर फैलते ही निवेशकों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने कंपनी से जुड़े आरोपी के घर पहुंचकर हंगामा किया और घर पर लगे ताले को तोड़कर अंदर रखा सामान अपने कब्जे में ले लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल इस संबंध में किसी भी पक्ष की ओर से लिखित तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बेकार हो चुकी एंबुलेंस अब गरीब रेहड़ी पटरी संचालकों का भरेगी पेट

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इस दौरान योगी सरकार ने हमेशा नवाचार को प्राथमिकता दी है, ताकि प्रदेश का समग्र विकास हो। इसके नतीजे आज सभी के सामने हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को मिशन के रूप में धरातल पर उतारने के लिए रामपुर जिला प्रशासन ने "जीरो वेस्ट मॉडल" की अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत रामपुर जिलाधिकारी द्वारा जिले में खराब व निष्क्रिय एंबुलेंस को नया रूप देकर गरीब रेहड़ी पटरी संचालकों को रोजगार के लिए उपलब्ध कराया गया है।

रामपुर जिला प्रशासन ने कचरे को संसाधन में बदला-रामपुर जिलाधिकरी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर काफी गंभीर हैं। उनका स्पष्ट संदेश है कि "कचरे को समस्या नहीं, बल्कि संसाधन के रूप में देखा जाए।" सीएम योगी के इसी विजन को मिशन के रूप में धरातल पर उतारने को जीरो वेस्ट मॉडल की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि रामपुर जिलाधिकारी कार्यालय में करीब 8 एंबुलेंस अपनी उम्र पूरी करने के बाद काफी दिनों से खड़ी थीं, जो पूरी तरह से निष्क्रिय हो चुकी थीं। ऐसे में इन एंबुलेंस को नया रूप देने की योजना बनायी गयी। इसके बाद इन सभी निष्प्रयोज्य शासकीय वाहनों को मॉडिफाई कर वैनशॉप में बदला गया। वेस्ट मैनजमेंट पहल के तहत पुराने और अनुपयोगी सरकारी वाहनों को संशोधित कर आकर्षक मोबाइल दुकानों के रूप में तैयार किया गया। इन मॉडिफाई वैनशॉप को रेहड़ी-पटरी संचालकों को स्थायी रोजगार के लिये उपलब्ध कराया गया। रामपुर नगर क्षेत्र के फोटो चुंगी के समीप प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत विकसित वेंडिंग जोन में 8 वैनशॉप को रेहड़ी पटरी संचालकों को सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टॉफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। तीनों अतिथियों ने निवेश के लिए उत्तर प्रदेश के सकारात्मक माहौल की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव, लोहम के सीईओ रजत वर्मा और चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात का उत्तर प्रदेश में स्वागत किया। बैठक में उत्तर प्रदेश को देश में एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख हब बनाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस क्रम में लोहम द्वारा प्रदेश में भारत की पहली "रेयर अर्थ टू मैग्नेट" इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस फैसिलिटी के स्थापित होने से देश में उच्च तकनीक आधारित मैन्युफैक्चरिंग

को बढ़ावा मिलेगा। नोबेल पुरस्कार विजेता कोंस्टेंटिन नोवोसेलोव, जो ग्रैफीन की खोज के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं, लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर और सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य उन्नत मटेरियल साइंस को औद्योगिक स्तर पर बैटरी तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में लागू करना है।

हर हाल में मई तक पूरा करें मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का निर्माण : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

बलरामपुर, 11 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी को हर हाल में मई 2026 तक निर्माण पूरा करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में इसमें विलंब बर्दाश्त नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति से कार्य प्रगति पर पूरी जानकारी भी प्राप्त की। इसके अलावा सीएम योगी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रांगण में मौलिश्री का पौधा लगाया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के मॉडल पर प्रेजेंटेशन को देखा। सीएम योगी ने कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह से कहा कि कार्य समयसीमा के अंदर हो, इसकी नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्माण एजेंसी को मई तक काम पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुणवत्ता हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एकेडमिक बिल्डिंग, थियेटर क्लास, लैब समेत समूचे विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक पल्टूराम, एमएलसी साकेत मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र, जिलाधिकारी विपिन जैन, कुलसचिव परमानंद सिंह, परीक्षा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

चैत्र नवरात्रि को लेकर सभी तैयारी समय से पूर्ण करें: मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बलरामपुर मंडल की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों, कानून व्यवस्था एवं चैत्र नवरात्रि मेला की तैयारियों को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 मार्च से नवरात्रि प्रारंभ होने जा रही है। चैत्र नवरात्रि मेले में देवीपाटन शक्तिपीठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आमगन होता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन, पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नवरात्रि पर मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त स्वच्छताकर्मी तैनात किए जाएं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान से तैयारियों की जानकारी भी ली।

सीएम का सख्त निर्देश-छांगुर जैसा व्यक्ति दोबारा न पनपे-सीएम योगी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान कहा कि हर थाना क्षेत्र में संस्थाओं के आसपास एंटी रोमियो स्क्वॉयड तैनात रहे। शोहदों, चेन स्नेचरों आदि के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। ऐसे लोगों की फोटो सार्वजनिक स्थलों और सोशल मीडिया पर लगाई जाए। बॉर्डर एरिया पर पुलिस एवं बीएसएफ की संयुक्त निगरानी हो। सीएम योगी ने प्रशासन व पुलिस को सख्त निर्देश दिया कि छांगुर जैसा व्यक्ति दोबारा न पनपे। ग्राम चौकीदारों को सक्रिय किया जाए, सभी जानकारी साझा की जाएं। जिला मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक नियमित हो। सभी अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाई जाए, जिससे उनमें कानून का भय हो।

नजीबाबाद में आवारा कुत्तों और सांडों का बढ़ता आतंक, राहगीर और स्कूली बच्चे खौफ में

» नजीबाबाद के जनप्रतिनिधियो की बड़ी लापरवाही से हो कसता है और बड़ा हादसा

लोकतंत्र की शान, (खिज़र अहमद)

नजीबाबाद। नगर क्षेत्र में इन दिनों आवारा कुत्तों और सड़कों पर घूम रहे सांड का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के मोहल्लों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर कुत्तों के झुंड और खुलेआम घूम रहे सांड आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि राहगीर, दुकानदार और स्कूली बच्चे तक भय के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और शाम के समय कुत्तों के झुंड अचानक राह चलते लोगों पर भौंकते हुए दौड़ पड़ते हैं। कई बार छोटे बच्चों और बुजुर्गों को कुत्तों ने काटकर घायल भी कर दिया है। खासतौर पर स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के लिए यह समस्या बेहद गंभीर होती जा रही है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को स्कूल भेजते समय हर समय डर बना रहता है कि कहीं रास्ते में कुत्तों का हमला न हो जाए। वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों और चौराहों पर घूम रहे सांड भी लोगों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। कई बार सांड आपस में लड़ते-भिड़ते हुए अचानक भीड़भाड़ वाले इलाकों में पहुंच जाते हैं, जिससे भगदड़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। बाजारों और मुख्य सड़कों पर सांडों के कारण कई बार वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगानी पड़ती है, जिससे दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। रात के समय यह समस्या और भी ज्यादा खतरनाक हो जाती है, जब सांड अंधेरे में सड़कों के बीचों-बीच खड़े या बैठे रहते हैं। कई बार वाहन चालक उन्हें देख नहीं पाते और हादसे का खतरा बढ़ जाता है। शहर के कई इलाकों में लोगों को रोजाना इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन को इस गंभीर समस्या की ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए। आवारा कुत्तों को पकड़ने और सड़कों पर घूम रहे सांडों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ठोस कदम उठाकर शहर को आवारा कुत्तों और सांडों के आतंक से मुक्त कराया जाए।

धूम्रपान निषेध दिवस पर C H C हसनपुर में दिलाई गई शपथ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : बुधवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धूम्रपान निषेध दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ धुरवेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा अस्पताल स्टाफ एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए धूम्रपान और तंबाकू के गंभीर दुष्प्रभाव पर जानकारी दी, उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है इससे कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, डॉक्टर सिंह ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वह नशे की लत से दूर रहे उन्होंने स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में युवाओं के योगदान पर जोर दिया, इस

दौरान श्री सिंह ने सभी को जीवन भर धूम्रपान न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के शपथ दिलाई, उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और परिवार के सहयोग से किसी भी बुरी लत को छोड़ा जा सकता है, इस मौके पर डॉक्टर मुदित गौतम, डॉ प्रियंका, मनोज जोशी, आरती शर्मा, सनी आदि सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का स्टाफ मौजूद रहा ।

मौला अली की याद में निकला 21 रमज़ान का पारंपरिक जुलूस, कर्बला में ताबूत सुपुर्द-ए-लहद

लोक तंत्र की शान,अब्दुल्लाह खान

महमूदाबाद, सीतापुर। मौला अली की तारीख-ए-शहादत की याद में 21 रमज़ान का पारंपरिक जुलूस बुधवार को वक्फ महाराजा साहब के प्रबंध में क़िला महमूदाबाद से सुबह करीब 10 बजे बरामद हुआ। शाही साज-सज्जा से सुसज्जित इस जुलूस में अलम, ऊंट, दुलदुल और ताबूत शामिल रहे, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे। जुलूस के दौरान मर्सिया ख्वानी की गूंज के बीच मातमी माहौल रहा। स्थानीय अंजुमन हैदरी, अंजुमन सज्जादिया और अंजुमन अब्बासिया के सदस्यों ने नौहाख्वानी व सीनाज़नी कर मौला अली की शहादत को याद किया। जुलूस का नेतृत्व प्रो. अली खान राजा महमूदाबाद कर रहे थे। जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से गुजरता हुआ अमीरगंज स्थित कर्बला पहुंचा, जहां गमगीन माहौल में ताबूत सुपुर्द-ए-लहद किए गए। जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही।

जूस विक्रेता के साथ मारपीट कर नारियल भरकर ले जाने वाले दरोगा को एसपी ने किया लाइन हाजिर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: नगर के अमरोहा अड्डे पर एक दरोगा ने जूस विक्रेता के नारियल अपनी कार में भर लिए तथा जब जूस संचालक ने विरोध किया तो उसकी पिटाई भी कर दी गई जिसका वीडियो भी सामने आया है घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, दरोगा की हरकत को लेकर नगर के व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त हो गया, व्यापारी ने दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, बता ते चले कि नगर के मोहल्ला खेवान निवासी सागर पुत्र मोहनलाल ठेले पर जूस बेचकर अपने भाई बहनों का पालन पोषण करता है, बुधवार के दोपहर नगर के अमरोहा अड्डे पर पीड़ित सागर अपने ठेले पर जूस बेच रहा था इसी दौरान कोतवाली में एक दरोगा नगर के अमरोहा अड्डे पर पहुंचा तथा अमरोहा अड्डे पर लगे सागर के ठेले पर जाकर अतिक्रमण को लेकर सागर को डाटना शुरू कर दिया और कहा कि सड़क पर अतिक्रमण कर रखा है यहां से हटाओ वही जूस विक्रेता का कहना है कि दरोगा जी ने दो नारियल जूस पिया था और पैसे नहीं दिए पैसे मांगने पर अतिक्रमण का बहाना बनाकर हटाने को कहा इसी दौरान जूस संचालक और दरोगा में कहा सुनी हो गई वहीं गुस्साए दरोगा ने अमरोहा अड्डे पर दो होमगार्ड को बुलाकर सागर के ठेले पर रखे नारियलों को उठाकर अपनी कार में भरवा लिया जिसका वीडियो पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया इसका युवक ने विरोध किया तो युवक की पिटाई कर दी गई, इस दौरान आरोपी दारोगा जूस संचालक युवक को धमकाते हुए कोतवाली तक ले गया लगभग आधे घंटे बाद युवक को छोड़ा गया वहीं घटना की सूचना पर व्यापारी सुरक्षा फोरम के प्रदेश महामंत्री मुकेश गुप्ता कोतवाली में तैनात दरोगा के व्यवहार के खिलाफ घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कोतवाली पहुंचे और आरोपी दरोगा पर कार्रवाई की मांग की, वही बताया जा रहा है कि व्यापारियों के विरोध के चलते देर रात दरोगा इसम सिंह को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने लाइन हाजिर कर दिया है ।

संक्षिप्त समाचार

'धुरंधर' का गाना बजाते लॉन्ग ड्राइव पर निकले तेजप्रताप

पटना। लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) नेता तेज प्रताप यादव एक बार फिर अपने अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। इस बार वह लॉन्ग ड्राइव को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। तेज प्रताप यादव ने अपनी मर्सिडीज कार से लॉन्ग ड्राइव का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें कार की स्पीड 140 किमी प्रति घंटा से अधिक दिखाई दे रही है। बैकग्राउंड में धुरंधर फिल्म का रोमांटिक गाना 'बेताब सा मोहब्बत का तू इंकलाब है', गाना बज रहा है। तेज प्रताप यादव ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम के TY ब्लॉग पर पोस्ट किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "लॉन्ग ड्राइव, खुली सड़क और अपने लोग... बस यही असली खुशी है।" बताया जा रहा है कि जिस मर्सिडीज कार को तेज प्रताप ड्राइव कर रहे थे, उसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए के आसपास है। तेजप्रताप के इस वीडियो पर यूजर्स ने कई तरह के कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा उज्जैनी के पापा। साहिल नाम के एक यूजर ने लिखा, "लगता है फिर भाभी की याद आ गई है।" पार्टी से निकाले जाने से पहले तेजप्रताप यादव की एक लड़की के साथ तस्वीर वायरल हुई थी। उस लड़की का नाम अनुष्का यादव बताया गया। तेज प्रताप ने अपने एक्स पर अनुष्का के साथ तस्वीर शेयर की और प्यार का इजहार किया। हालांकि वो बाद में इससे मुकर गए। उज्जैनी उसी अनुष्का यादव की बेटी है।

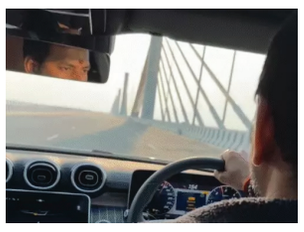

ईरान-इजराइल युद्ध, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित, होटल-रेस्टोरेंट को अभी नहीं मिलेगा सिलेंडर

पटना। पटना में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। ईरान और इजराइल के बीच जारी तनाव के कारण आयात में संभावित बाधाओं को देखते हुए तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई सीमित कर दी है। फिलहाल कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को ही उपलब्ध कराए जाएंगे। तेल विपणन कंपनियों ने एलपीजी वितरकों को निर्देश दिया है कि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गैस सिलेंडर की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी जाए। जरूरी सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए सीमित मात्रा में कमर्शियल सिलेंडर सिर्फ अस्पताल और स्कूलों को दिए जाएंगे।

घरेलू सिलेंडर बुकिंग का समय बढ़ा: इसी बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया गया है। पहले एक सिलेंडर बुक करने के 21 दिन बाद दूसरा सिलेंडर बुक किया जा सकता था, लेकिन अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। बताया जा रहा है कि बॉटलिंग प्लांट में मौजूद स्टॉक को फिलहाल घरेलू सिलेंडरों की भराई के लिए सुरक्षित रखा जा रहा है, ताकि आम उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी हो सकें। एजी कॉलोनी निवासी शशिकांत सिंह ने बताया कि, 'कई दिनों से गैस बुकिंग की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन नंबर नहीं लग रहा। घर में शादी का माहौल है, इसलिए काफी परेशानी हो रही है।' रूपसपुर निवासी सुबोध ने बताया कि गैस खत्म होने के बाद से लगातार एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन बुकिंग नहीं हो पा रही है।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर 5.75 करोड़ की ठगी, 2 महीने में 19 केस, क्रिप्टो करंसी-शेयर मार्केट

पटना। इन दिनों सोशल मीडिया पर एडवरटाइजमेंट निकालकर आम लोगों से ठगी हो रही है। खासकर पढ़े लिखे नौकरीपेशा वाले लोग इसके शिकार बन रहे हैं। पिछले जनवरी महीने से अब तक 2 महीने के भीतर 19 मामले सामने आए हैं। इसमें 5,75,81,608 (5.75 करोड़) रुपये की ठगी हुई है। इसमें लोगों से क्रिप्टो करेंसी, Mutual Fund, गेमिंग एप, शेयर मार्केट, ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की गई है। इसमें से अधिकतर निवेश करने वाले नौकरी पेशे से जुड़े हैं। साइबर SHO नीतिश चंद्र धारिया(DYSP) ने बताया कि, 'इन दिनों कम समय में ज्यादा मुनाफा देने के नाम पर इन्वेस्टमेंट के लिए सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए एडवर्टाइजमेंट निकाले जा रहे हैं। इनके टेलीग्राम, WhatsApp ग्रुप वगैरह भी है, जिसमें जो लोग एडवर्टाइजमेंट के जरिए संपर्क करते हैं, उन्हें जोड़ा जाता है। छोटे-छोटे अमाउंट में इन्वेस्टमेंट के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। भरोसा जीतने के लिए कभी कभार साइबर अपराधी रुपए वापस भी करते हैं। जैसे लोगों का विश्वास जमने लगता है, निवेश के नाम पर बड़े अमाउंट्स अलग-अलग एकाउंट्स में मंगा लेते हैं। जब तक लोगों को समझ में आता है तब तक वह काफी आगे निकल चुके होते हैं।'

बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन, सभी खिलाड़ियों को महिला कोच दे रही ट्रेनिंग

पटना। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इंडोर हॉल में आज से बिहार वीमेंस कबड्डी लीग का आयोजन होगा। यह चैंपियनशिप, लीग का दूसरा संस्करण है। इसमें छह टीमों के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। राज्य भर से चुनी हुई महिला खिलाड़ी मैच में अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। इस बार लीग का पैटर्न कबड्डी चैंपियंस लीग (KCL) के पैटर्न पर होगा, ताकि मैच रोमांचक हो। इस लीग में हर मैच डू और डाई मैच होगा। कोई भी मैच टाई नहीं होगा। 17 मार्च तक इस लीग का आयोजन किया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि यह पहला मौका है जब सभी छह टीमों की कोच और असिस्टेंट कोच महिला है, जो उन्हें ट्रेनिंग दे रही है। हमने पुराने कबड्डी प्लेयर्स को ही कोच बनाया है, ताकि नए प्लेयर्स को तैयार करके अपने प्रतिभा को निखारेंगे। इसके साथ ही इस माध्यम से हमें ये भी पता चल जाएगा कि बिहार में इस खेल के लिए कोच बनने लायक कौन लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि कल शाम ट्रॉफी का अनावरण उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और खेल मंत्री श्रेयसी सिंह करेंगी। इस दौरान बिहार के DGP विनय कुमार और मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत भी मौजूद रहेंगे। इसके माध्यम से अच्छे खिलाड़ियों को सिलेक्ट कर कैंप लगाई जाएगी, जिसमें उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। ताकि कॉमनवेल्थ गेम्स, ओलिंपिक गेम्स में प्लेइंग 7 में भारतीय टीम में बिहार के 2 खिलाड़ी जरूर रहे। अब हम हरियाणा, पंजाब का पूंछ पकड़कर नहीं चलेंगे। हम अब अपनी पहचान खुद बनाएंगे। बिहार कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने कहा कि इस लीग के माध्यम से बिहार में छिपी हुई प्रतिभा को निखार जाएगा। भाग लेने वाली छह टीमों में- सीतामढ़ी सेटनेल्स, मगध वारियर्स, सारण स्ट्राइकर्स, पटना पेलिकन, नालंदा निंजा और सीवान टाइटंस है। इस लीग को जीतने वाली टीम को 1.5 लाख रुपये, दूसरे स्थान पर आने वाले को 75 हजार रुपये और तृतीय विजेता को 51 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, लीग खेलने के लिए 5 हजार रुपये हर प्लेयर को दिया जाएगा, चाहे वो जीते या हारे। वहीं, बिहार में महिलाओं के लिए प्रो कबड्डी लीग कराने की भी तैयारी चल रही है। इसके लिए हम लोग सरकार से बातचीत कर रहे हैं।

बिहार में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं- विजय सिन्हा

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य में पेट्रोल-डीजल की कमी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य में ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि, 'कुछ जगहों पर थोड़ी बहुत परेशानी जरूर देखने को मिल सकती है, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार लगातार पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा रहे हैं।'

पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों से बचें- विजय सिन्हा: विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, 'राज्य में ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है। अगर कहीं थोड़ी बहुत दिक्कत सामने आती है तो प्रशासन उसे तुरंत ठीक करने का काम कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि आम जनता को रोजमर्रा के कामों के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।'

ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर सरकार की नजर - विजय सिन्हा: विजय कुमार सिन्हा ने साफ कहा कि ,'मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अगर कहीं भी कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो तुरंत कार्रवाई की जाए। सरकार किसी भी हाल में आम लोगों का शोषण होने नहीं देगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

बंगाल में SIR को लेकर ममता बनर्जी पर साधा निशाना: पश्चिम बंगाल में चल रहे एसआईआर को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, 'हाल ही में पश्चिम बंगाल के एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था और वहां की स्थिति को देखा। जनता अब समझ चुकी है कि चुनाव आयोग का SIR कराना सही दिशा में है।'

चुनाव आयोग के फैसले को बताया सही: विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि, 'चुनाव आयोग द्वारा उठाया गया कदम लोकतंत्र को मजबूत करने वाला है। मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना जरूरी है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और विश्वसनीय बनी रहे। इसी वजह से अब पश्चिम बंगाल में इस मुद्दे पर विरोध भी कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना धरना भी समाप्त कर दिया है।'

कर्मचारियों की हड़ताल पर सरकार ने

- पटना में डिप्टी सीएम बोले- ब्लैक मार्केटिंग पर कड़ी नजर, कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई करेंगे

जताई नाराजगी: राज्य में चल रही कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर भी उपमुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि, 'सरकार पहले ही कर्मचारियों की मांगों को सुनने और उन पर विचार करने के लिए तैयार है। कर्मचारियों की कुछ मांगें पिछले साल से लंबित हैं और सरकार ने पहले ही कहा था कि इन मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। इसके बावजूद मार्च जैसे महत्वपूर्ण महीने में हड़ताल करना उचित नहीं है।'

संवाद से समाधान की अपील: विजय कुमार सिन्हा ने कर्मचारियों से हड़ताल खत्म कर बातचीत के रास्ते समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि, 'हड़ताल और जिद से व्यवस्था में सुधार नहीं होता, बल्कि संवाद से ही समस्याओं का हल निकलता है। सरकार हमेशा अच्छे काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान करती रही है और आगे भी करती रहेगी। कर्मचारियों की जायज मांगों पर सरकार पूरी सहानुभूति के साथ विचार करेगी।'

पटना में चेन स्नैचिंग,महिला को सड़क पर घसीटा

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग इलाके में बदमाशों ने एक बुजुर्ग महिला से चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया है। इसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। चेन छीनने के दौरान महिला ने बदमाश की कॉलर पकड़ ली। इसे दौरान अपराधियों ने उसे सड़क पर घसीटा। महिला का हाथ टूटा है। किडनी के पास चोट लगी है। घटना के बाद महिला को कंकड़बाग के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है, जहां ICU वार्ड में उसका इलाज चल रहा है। महिला की पहचान भोजपुर के बिहीया के रहने वाली मुन्नी देवी (65) के तौर पर हुई है, जो पटना एक शादी में आई थी।

बुलेट सवार युवक ने पीछे से झपट ली चेन: घायल महिला मुन्नी देवी ने पुलिस के सामने भी अपना स्टेटमेंट रिकॉर्ड कराया है। उन्होंने बताया कि, घटना मंगलवार दोपहर 3:30 के आसपास की है। मैं शादी में जाने के लिए पंच शिव मंदिर से सटे बाएं चांदमारी रोड की ओर बढ़ रही थी। इसी बीच बुलेट बाइक से 26-27 साल का युवक पीछे से मेरी चेन झपटकर भागने लगा। मैंने उसे पकड़ने का प्रयास किया। उसने छीना झपटी कर मुझे बीच सड़क पर घसीट दिया, जिसमें मेरा दाहिना हाथ टूट गया है। मुझे बीच सड़क पर गिरते देखा लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। मैं और मेरी पोती जैसे-तैसे रूम पर पहुंचे, फिर मेरे दोनों बेटों ने अस्पताल लाकर एडमिट कराया। फिलहाल, मुझे बोलने, चलने और सांस लेने में परेशानी हो रही है। CRPF में पोस्टेड बेटे धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि, 'पंच शिव मंदिर के पास पहले से ब्लैक कलर की बुलेट बाइक पर हेलमेट लगाकर जींस टी-शर्ट पहने एक युवक खड़ा था। मेरी मां के गले में जो चेन थी, उसे उसने देख लिया।

- दाहिना हाथ टूटा, किडनी के पास चोट लगने के चलते आईसीयू में भर्ती

पुलिस ने दर्ज किया केस: पुलिस ने बुजुर्ग महिला के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

जदयू ऑफिस में सीएम के बेटे की आरती उतारी गई, अचानक पार्टी दफ्तर पहुंचे निशांत

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार बुधवार को अचानक से JDU ऑफिस पहुंचे। जहां JDU के तमाम कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के 'बिहार का CM कैसा हो, निशांत कुमार जैसा हो' के नारे लगाए। निशांत के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और उनके समर्थन में नारे लगाने लगे।

निशांत करीब 30 मिनट तक पार्टी ऑफिस में रुके। उनके निकलने के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने उनकी आरती उतारी। इस दौरान भी उन्हें CM बनाने की मांग होती रही। निशांत ने 8 मार्च को JDU जॉइन की है। पार्टी जॉइन करने के बाद से वे लगातार राजनीति में एक्टिव हैं। जदयू दफ्तर में निशांत के साथ शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि हर बुधवार को पार्टी दफ्तर में जनता दरबार लगता है। उसको लेकर ही मैं पार्टी ऑफिस पहुंचा था। यहां पर हमने लोगों की समस्याएं सुनी।

सुनील कुमार ने कहा कि,निशांत जी भी पार्टी ऑफिस पहुंचे हैं, कार्यकर्ताओं से उनकी बातचीत कर

रहे हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि आपके कई नेता और कार्यकर्ता उनको CM बनाने की मांग कर रहे हैं। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि ये तो स्वाभाविक सी बात है। निशांत कुमार ने 8 मार्च यानी रविवार को JDU की सदस्यता ली थी। शपथ लेने के बाद उन्होंने अपने पिता नीतीश कुमार का आशीर्वाद लिया। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें जदयू का गमछा और टोपी पहनाकर पार्ट की सदस्यता दिलाई थी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री लल्लन सिंह समेत जदयू के कई दिग्गज नेता और सैकड़ों मौजूद रहे। सोमवार को निशांत कंकड़बाग स्थित मंजू सिन्हा पार्क पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपनी मां की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। निशांत ने कहा था कि, 'यहां मेरी मां की प्रतिमा है, माल्यार्पण करने आया हूं। मां की बहुत याद आ रही है, उनका आशीर्वाद मेरे ऊपर बना रहे। उनकी कमी महसूस होती है, वो रहती तो और अच्छा होता।'

नीट छात्रा रेप-मौत, मनीष रंजन को नहीं मिली जमानत

एजेंसी, पटना

NEET छात्रा रेप-मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल बिल्डिंग के मालिक मनीष रंजन को आज यानी बुधवार को भी जमानत नहीं मिली। इस मामले की कल फिर से सुनवाई होगी। पॉक्सो कोर्ट में आज जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। CBI चार बंडलों में अपनी जांच रिपोर्ट और केस से जुड़े दस्तावेज लेकर पहुंची थी। करीब ढाई घंटे चली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने फिर CBI को फटकार लगाते हुए पूछा, 20 दिनों से CBI मूकदर्शक बनी है। जब आपको केस हैंडओवर किया गया, तब आपको इसकी जानकारी थी या नहीं कि मनीष कस्टडी में है? ये क्यों नहीं माना जाए कि आपकी लापरवाही की वजह से वो 14 फरवरी से 11 मार्च तक गैरकानूनी तरीके से जेल में है? इसका कॉम्पनसेशन कौन देगा?

कोर्ट ने मनीष से पूछा- घटना की जानकारी किसने दी?: कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि लड़की के मौत को दो महीने हो गए हैं और अब तक कारण पता नहीं है। केस की पहली IO रौशनी का बयान SIT से मैच नहीं कर रहा है और इन दोनों का बयान CBI से मैच नहीं कर रहा है। 5-6 जनवरी को मनीष कहां था?

जांच एजेंसी की जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर कोर्ट ने सीधे मनीष रंजन से पूछ लिया कि आपको घटना की जानकारी किसने दी? इसके जवाब में मनीष ने बताया कि 5 जनवरी की सुबह 10 बजे मैं बेटी को लेकर पावापुरी मेडिकल कॉलेज गया था। फिर उसी दिन रात के 8 बजे वापस लौटा।

6 जनवरी की सुबह 10:30 बजे अपने ऑफिस के लिए निकल गया। 7 जनवरी की सुबह उसे हॉस्टल संचालिका नीलम अग्रवाल ने घटना की जानकारी दी थी। दूसरी तरफ SIT ने नीलम का बयान पढ़ा और बताया कि मनीष को वार्डन से जानकारी हुई होगी। हमने नहीं बताया है। कोर्ट ने पटना पुलिस से पूछा कि मनीष रंजन को कस्टडी में लेने के बाद उससे पूछताछ हुई या नहीं? इसपर SIT ने बताया कि 4 फरवरी को जेल में उससे पूछताछ हुई थी। फिर पूछताछ में क्या मिला? आज कोर्ट में पीड़िता के वकील ने एक ऑडियो सुनाया। उन्होंने दावा किया कि गवाहों को धमकाया जा रहा है।

कोर्ट ने CBI से पूछा- मनीष को बेल दे दी जाए, कोई दिक्कत?: कोर्ट ने फिर CBI से पूछा कि, चित्रगुप्त नगर थाना का केस नंबर 14/2026 की जांच आप कर रहे हैं या नहीं? मनीष रंजन से आपको कोई मतलब है या नहीं? मनीष को बेल दे दी जाए, आपको कोई दिक्कत? इस पर CBI के ASP ने कहा कि नहीं, अभी कोई मतलब नहीं है।

कोर्ट ने SIT इंचार्च से किया सवाल: कोर्ट ने पटना पुलिस के SIT इंचार्ज और SDPO

- कोर्ट ने फिर सीबीआई को लगाई फटकार, कहा- गैरकानूनी तरीके से जेल में रखा है, कॉम्पनसेशन कौन देगा?

सचिवालय डॉ. अन्नु कुमारी से सवाल किया। आप इस केस की जांच कर रही हैं या नहीं? मनीष को बेल देने से आपको कोई फर्क पड़ेगा? तब SIT ने जवाब दिया- नहीं। कोर्ट ने मेडिसिन स्ट्रिप के बारे में पूछा, जो शुरुआती जांच में SIT को मिले थे। एविडेंस में 3 स्ट्रिप ही दिखाया गया। इस पर सवाल पूछा कि जब 6 स्ट्रिप मिले तो एविडेंस में 3 ही क्यों है? ये किस तारीख को मिला था? इस पर SIT ने जवाब दिया कि 6 जनवरी को छात्रा के कमरे में मिला था। फिर वापस कमरे में ही रख दिया और 7 जनवरी को वहां से उठाया।

स्पेशल पीपी ने मनीष रंजन की जमानत का विरोध किया: सुनवाई के दौरान स्पेशल पीपी सुरेश चंद्र प्रसाद ने मनीष रंजन की जमानत का विरोध किया। कहा कि मनीष ही इस केस का मास्टरमाइंड है। इसके कस्टडी में रहने पर बहुत सारी बातें सामने आएंगी। इसपर कोर्ट ने पूछा कि हम किस ग्राउंड पर रखेंगे? इसके बाद पीड़िता के वकील एसके पांडेय ने अपना पक्ष रखते हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक हाइकोर्ट के पोक्सो केस में दिए गए गाइडलाइन का हवाला दिया। स्पेशल पीपी के अनुसार, इस केस में पीड़िता की मां, पिता और एक नर्स की BNSS की धारा-183 के तहत मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करवाने के लिए आवेदन दिया गया है। इसे केस के IO ही करवाएंगे।

24 घंटे से युवक लापता, परिजन ने की आगजनी घर में कहा था- चाय पीकर आता हूं, लौटा नहीं

एजेंसी, पटना

- माता-पिता ने जताई अनहोनी की आशंका

पटना के मेहंदीगज इलाके के प्रतापपुर से कैटरिंग में काम करने वाला अमित कुमार (28) नाम का युवक लापता हो गया है। लापता युवक की मां रेखा देवी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रेखा देवी के आवेदन के मुताबिक उनका बड़ा बेटा अमित कुमार 10 मार्च की सुबह 4 बजे घर से चाय पीने के लिए बोलकर निकला है। जो अभी तक नहीं लौटा है। लड़के के पास मोबाइल भी है, लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिल रहा है। अपने दूर दराज के रिश्तेदारों और जानने वालों के यहां भी पता लगाया है। लेकिन वहां भी नहीं है।

परिजन ने टायर जलाया, आगजनी की: घटना के एक दिन बाद आज दोपहर में परिजन ने लोहा पुल के पास सड़क जाम करके प्रदर्शन किया। परिजन को अनहोनी की आशंका है। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई तेज हो इसके लिए विरोध प्रदर्शन किया और गुमशुदा की तलाश के लिए वरीय अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है। तकरीबन आधे घंटे तक परिजन ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने समझा बुझा कर फिलहाल मामला शांत कर दिया है।

चाय पीने निकला था युवक: मेहंदीगंज थानेदार पूजा कुमारी ने बताया, अमित चाय पीने के लिए घर से निकला था। लेकिन लौटकर नहीं आया। युवक कैटरिंग में काम करता है। केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। सीडीआर रिपोर्ट, टेक्निकल इनपुट से पता लगाने की कोशिश जारी है।

बिहार के 8 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट, पटना में भी छाए रहेंगे हल्के बादल

एजेंसी, पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी बुधवार को प्रदेश के 8 जिलों में हल्की बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40KM/H की स्पीड से हवा चलने की संभावना है। गोपालगंज, बेगूसराय और नालंदा में बादल छाए हुए हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पटना में हल्के बादल छाए रहेंगे। हालांकि, धूप निकलेगी, जिससे उमस लोगों को महसूस होगी। 11 मार्च के बाद प्रदेश का मौसम सामान्य होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बेगूसराय और जहानाबाद में सुबह में हल्के बादल छाए रहे, जबकि नालंदा में धुंध दिखी।

30 जिलों में मौसम रहेगा सामान्य: प्रदेश के 30 जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। इसमें पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, भागलपुर, गया, भोजपुर, रोहतास, नालंदा और पूर्णिया समेत अधिकांश हिस्सों में चेतावनी जारी नहीं की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम सामान्य रहेगा और लोगों को गर्मी महसूस होगी।

राज्य में 19 डिग्री सेल्सियस है न्यूनतम

तापमान: पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान मधेपुरा में 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा मधुबनी में 19.9 डिग्री सेल्सियस, औरंगाबाद में 20.4 डिग्री सेल्सियस और वाल्मीकिनगर में 20.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पटना का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा।

लोगों के लिए सलाह: मौसम विभाग ने जिन जिलों में बारिश और वज्रपात की आशंका जताई है, वहां के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खासकर खेतों में काम करने वाले किसान, खुले स्थानों पर रहने वाले लोग और बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे खड़े रहने से बचने की हिदायत दी गई है।

बिहार में पहली एआई बेस्ड रोबोटिक सर्जरी सफल

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) पटना ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। इसके साथ ही बिहार में आधुनिक रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हो गई है। मंगलवार को IGIMS में डॉक्टरों ने AI रोबोट की मदद से दो जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की। इनमें शिवहर की रहने वाली 26 वर्षीय महिला की गॉल स्टोन (पित्त की पथरी) की सर्जरी की गई, वहीं 55 वर्षीय बुजुर्ग मरीज का हर्निया ऑपरेशन भी रोबोटिक तकनीक से किया गया।

एक ही दिन में दो रोबोटिक सर्जरी: इस उपलब्धि के साथ ही IGIMS ने चिकित्सा क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। अस्पताल में एक ही दिन में दो जटिल बीमारियों की रोबोटिक सर्जरी का रिकॉर्ड बना है, जिसे राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। ऑपरेशन को सफल बनाने में 6 सदस्यीय डॉक्टरों की टीम ने अहम भूमिका निभाई।

बिहार के लिए ऐतिहासिक

- आईजीआईएमएस में दो क्रिटिकल ऑपरेशन

क्षण- डॉ. मनीष मंडल: IGIMS के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि, 'यह संस्थान और पूरे बिहार के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। पहली बार यहां रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हुई है, जिससे इलाज की एक नई और आधुनिक पद्धति का मार्ग प्रशस्त हुआ है।' डॉक्टरों ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी जैसी अत्याधुनिक तकनीकें उपचार को अधिक सुरक्षित, सटीक और प्रभावी बनाती हैं, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिलते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रोबोटिक सर्जरी के माध्यम से पेट, किडनी और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर और जटिल बीमारियों का अधिक सटीक इलाज संभव है। खासकर कैंसर के मरीजों के लिए यह तकनीक काफी लाभकारी साबित हो सकती है।

कम चीरा, कम खून और जल्दी रिकवरी: रोबोटिक सर्जरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें मरीज के शरीर में बहुत छोटा चीरा लगाया जाता है। इससे खून कम निकलता है, दर्द कम होता है और मरीज तेजी से स्वस्थ हो सकता है। इसके साथ ही रोबोटिक तकनीक के कारण सर्जरी के दौरान डॉक्टरों को अधिक स्पष्टता मिलती है, जिससे इलाज अधिक सटीक तरीके से किया जा सकता हैं।

सर्जरी के दौरान गलती की संभावना बेहद कम: मनीष मंडल ने बताया कि AI रोबोटिक सर्जरी के उपयोग से ऑपरेशन के दौरान मानवीय गलतियों की संभावना काफी कम हो जाती है। इस तकनीक से बिना रुकावट के अधिक एक्यूरेसी के साथ ऑपरेशन संभव होता है और मरीज जल्द ही सामान्य जीवन में लौट सकता है। IGIMS पटना में इस अत्याधुनिक तकनीक की शुरुआत को बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पलवल में फर्जी 'बंगाली क्लीनिक' का भंडाफोड़, बिना दस्तावेज चल रहा था इलाज, संचालक पर केस दर्ज

लोकतंत्र की शान : पलवल। जिले के होडल में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक फर्जी बंगाली क्लीनिक का भंडाफोड़ किया है। सीएम विंडो पर मिली शिकायत के आधार पर की गई कार्रवाई में क्लीनिक बिना किसी वैध दस्तावेज के संचालित पाया गया। पुलिस ने क्लीनिक संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। होडल के सरकारी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय तंवर ने बुधवार को बताया कि उन्हें सीएम विंडो के माध्यम से एनके विश्वास (बंगाली) क्लीनिक के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई। गठित कमेटी ने होडल की पेंच कॉलोनी स्थित एनके विश्वास (बंगाली) क्लीनिक पर छापेमारी की। जांच के दौरान क्लीनिक संचालक के पास क्लीनिक चलाने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद होडल थाना पुलिस ने डॉ. संजय तंवर की शिकायत पर क्लीनिक संचालक नीतिश कुमार विश्वास के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लीनिक से बरामद सभी सामान की फोटोग्राफी कर उन्हें एक गत्ते के बॉक्स में सील कर अपने कब्जे में ले लिया। होडल थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच हवलदार दिनेश कुमार को सौंपी गई है।

नूंह : किसान के ट्यूबवेल से स्टार्टर व केबल चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में किया अपराध स्वीकार

लोकतंत्र की शान ; नूंह। नूंह जिले के तावडू सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गाँव कालरपुरी में किसान के ट्यूबवेल से स्टार्टर और केबल चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया है। प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि शिकायतकर्ता सतबीर निवासी गांव कालरपुरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके खेत में लगे ट्यूबवेल से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्टार्टर तथा तीन तार वाली सिल्वर केबल चोरी कर ली गई। इस संबंध में पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने उमेद निवासी गाँव कालरपुरी तथा सफी अहमद निवासी गाँव कुटिया थाना मिलक जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश), हाल किरायेदार तावडू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी उमेद ने बताया कि उसने 8-9 मार्च की रात को कालरपुरी में खेत में लगे पानी की मोटर का स्टार्टर और तीन तार वाली केबल चोरी की थी। चोरी किया गया सामान वह कबाड़ का काम करने वाले सफी अहमद को बेचने जा रहा था। सफी अहमद ने भी पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने उक्त सामान 300 रुपये में खरीदा था। पुलिस के अनुसार पीड़ित किसान ने ही मौके से दोनों आरोपियों को चोरी के सामान सहित पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

नूंह : तावडू सीआईए टीम की बड़ी कार्रवाई, साढ़े तीन लाख की हेरोइन सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नूंह। जिले में अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईए) तावडू की टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 50 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग साढ़े तीन लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में तावडू शहर थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर शाम एसआई विजयपाल अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम लखपत चौक तावडू के पास मौजूद थी, तभी उन्हें सूचना मिली कि मुरसलिम निवासी गांव भाजलाका थाना सदर तावडू नई अनाज मंडी तावडू के अंदर बंद दुकानों के पीछे की चारदीवारी के पास हेरोइन बेचने के लिए खड़ा है। सूचना के आधार पर सीआईए टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी और एक युवक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुरसलिम निवासी भाजलाका बताया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसकी पैंट की जेब से पॉलिथीन में रखी हेरोइन बरामद हुई। बरामद हेरोइन का कुल वजन 49.54 ग्राम पाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी मुरसलिम ने बताया कि उसने यह हेरोइन गांव भाजलाका निवासी साहिब से खरीदी थी। पुलिस ने इस मामले में तावडू शहर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में भी जुटी हुई है।

मिनी ट्रक और ट्रैक्टर की भिड़ंत, चालक की अपनी ही गाड़ी के नीचे दबने से मौत

लोकतंत्र की शान : अजमेर। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के मिनी ट्रक और ट्रैक्टर की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में ट्रेक्टर चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहन सड़क किनारे जा गिरे, जबकि चालक अपनी ही गाड़ी के नीचे दब गया। थाना प्रभारी महावीर प्रसाद ने बताया कि हादसा सुबह करीब तीन बजे ज्ञान विहार रोड स्थित साहू मैरिज गार्डन के बाहर हुआ। रेत से भरा मिनी ट्रक पुष्कर रोड स्थित मित्तल हॉस्पिटल की ओर से आ रहा था, जबकि दूसरी तरफ से ट्रैक्टर मालवा की ओर से आ रहा था। पुलिस के अनुसार साहू मैरिज गार्डन के पास अचानक मिनी ट्रक रॉन्ग साइड में आ गया, जिससे ट्रैक्टर और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। हादसे में ट्रेक्टर चला रहे विशाल उर्फ विशु कहार (22) उछलकर अपनी ही गाड़ी के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वह सरधना नदी फर्स्ट के निवासी थे। वहीं दुर्घटना के बाद मिनी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और मिनी ट्रक चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विशाल पिछले करीब पांच महीनों से एक ठेकेदार के साथ ट्रैक्टर चलाने का काम कर रहा था। वह अपने परिवार के पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार मिनी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

राजस्थान में तेज गर्मी के बीच राहत की उम्मीद, 14 को आंधी-बारिश और ओलों का अलर्ट

लोकतंत्र की शान : जयपुर। राजस्थान में लगातार बढ़ रही गर्मी और हीटवेव के बीच राहत की खबर है। मौसम विभाग के अनुसार 14 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) सक्रिय होने से राज्य के कई हिस्सों में मौसम बदल सकता है। इसके असर से कुछ जिलों में आंधी, हल्की बारिश और ओले गिरने की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग ने 14 मार्च को प्रदेश के 19 जिलों में बारिश और ओले गिरने का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं बुधवार को प्रदेश के दो जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को राज्य के अधिकांश इलाकों में आसमान साफ रहा और दिनभर तेज धूप के कारण गर्मी का असर देखने को मिला। जैसलमेर, बाड़मेर सहित सीमावर्ती जिलों में हल्की से मध्यम हीटवेव महसूस की गई। बाड़मेर में मंगलवार को प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा पिलानी (झुंझुनूं) में 39.2 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 39 डिग्री, चूरू में 38.7 डिग्री, जोधपुर में 38.6 डिग्री और जैसलमेर में 38.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राजधानी जयपुर में भी गर्मी का असर दिखाई दिया। परकोटे क्षेत्र में सड़क किनारे दुकानदार तेज धूप से बचने के लिए छातों का सहारा लेते नजर आए।

हर महीने पशु पालको की लापरवाही की बलि चढ़ रही सैकड़ों गौवंश

» संधारण को लेकर जूझ रहा नगर पालिका अमला

लोकतंत्र की शान, ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट

सीधी। नगर पालिका के पास गौवंशों की मौत पर न दफनाने की जमीन है और न ही इंसीनरेटर की सुविधा। हर महीने करीब आधा सैकड़ा गौवंश की मौत के मामले में संधारण को लेकर नगर पालिका सीधी का अमला जूझ रहा है। शहर में मृत गौवंशों के निस्तारण को लेकर गंभीर अव्यवस्था बनी हुई है। स्थिति यह है कि न तो मृत पशुओं को दफनाने के लिए कोई स्थान चिन्हित किया गया है और न ही वैज्ञानिक निस्तारण के लिए इंसीनरेटर जैसी सुविधा उपलब्ध है। इसके कारण हर महीने बड़ी संख्या में मृत हो रहे गौवंशों के संधारण को लेकर नगर पालिका के अमले को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया है कि शहर में विभिन्न कारणों से हर माह करीब आधा सैकड़ा गौवंश की मौत हो रही है लेकिन इनके निस्तारण के लिए ठोस व्यवस्था न होने से हर बार अस्थाई उपाय तलाशने पड़ रहे हैं। कई बार शव निस्तारण को लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। मृत मवेशियों के शव निस्तारण की कोई स्थाई व्यवस्था न होने से कई बार शव खुले में पड़े रह जाते हैं। ऐसे में खुले में पशु शव पड़े रहने से संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही दुर्गंध और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भी गंभीर रूप ले सकती है। मृत मवेशियों के शव के निस्तारण को लेकर नगर पालिका का अमला भी परेशान है। स्थाई व्यवस्था न होने के कारण कर्मचारियों को हर बार नई जगह तलाशनी पड़ती है। कई बार उन्हें विवाद झेलना पड़ता है। नगर पालिका की ओर से कई बार जिला प्रशासन एवं वरिष्ट कार्यालय को पत्राचार भी किया जा चुका है लेकिन इस संबंध में आज तक कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई। नगर पालिका के संबंधित अमले का कहना है कि शहर में प्रति माह सडक़ दुर्घटना, बीमारी व अन्य कारणों से करीब आधा सैकड़ा पशुओं की मौत हो जाती है। इनके शव निस्तारण की कोई स्थाई व्यवस्था नहीं है। जमीन चिन्हित न होने के कारण हर बार स्थान की तलाश करनी पड़ती है। यदि इंसीनरेटर की व्यवस्था हो जाए तो इस समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। इसके लिए अधिकारियों की ओर से वरिष्ट कार्यालय को पत्राचार किए गए हैं लेकिन फिलहाल कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है।

ट्रेनिंग पूरी कर आज अपने गृह ग्राम आएंगे लेफ्टिनेंट देवांश पाण्डेय

चेन्नई में चल रहा था प्रशीक्षण ,माता पिता का हुआ था सम्मान

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के चुरहट विधानसभा के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के सगौनी भरतपुर के निवासी व जनपद पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष राकेश पाण्डेय व शिक्षिका रमा पाण्डेय के छोटे सुपुत्र देवांश पाण्डेय का चयन सेना के लेफ्टिनेंट पद के लिए हुआ है जिन्हें प्रशीक्षण के चयनित कर चेन्नई भेजा गया था जहां से देवांश प्रशीक्षण पूरा कर कल गुरुवार को गृह ग्राम सगौनी आएंगे जिनके स्वागत की तैयारियां पूरी हो गई है,देवाश का स्वागत सीधी जिला के सीमा छुहिया घाट से किया जाएगा। देवांश के गृह जिला आने की जानकारी कपुरी कोठार के हनुमान मंदिर के पुजारी हनुमान प्रसाद मिश्र ने बताया की देवांश चयन होने के बाद प्रशीक्षण को गये थे तब से वे गृह ग्राम नहीं आये थे अब उनका प्रशीक्षण पूरा हो गया है तो वे पैतृक गांव आएंगे जहां उनका धूमधाम से स्वागत कर अभिनंदन किया जाएगा, पुजारी हनुमान प्रसाद मिश्र ने बताया कि इतनी कम उम्र में सेना के आफीसर रैंक पाने वाले पहले युवा देवांश पाण्डेय है जो अपने गांव समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया की लेफ्टीनेंट देवांश पाण्डेय के स्वागत में 51वाहनो का काफिला चलेगा जो मंदिर कपुरी कोठार पहुंचेगी जहां देवांश का स्वागत सत्कार के बाद काफिला अर्जुन नगर होते हुए दुर्गा मंदिर भरतपुर पहुंचेंगे जहां पूजा पाठ के बाद आयुर्वेद अस्पताल होते हुए गृह ग्राम सगौनी पहुंचेगी ।

बिजली कंपनी की मनमानी बिल वसूली के विरोध में आंदोलन की बनी रणनीति

» बघवारी में हुई बैठक, 18 मार्च को तय होगी आंदोलन की रणनीति

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में अत्यधिक बिजली बिलिंग को लेकर उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के कई परिवारों को 60 हजार से 80 हजार रुपये तक के अत्यधिक बिजली बिल थमा दिए गए हैं, जिससे गरीब और मजदूर परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसी समस्या को लेकर ग्राम बघवारी में बिजली उपभोक्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। लोगों ने आरोप लगाया कि मनमाने तरीके से भारी-भरकम बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। बैठक में टोको-रोंको-ठोको क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने कहा कि बिजली विभाग की मनमानी से आम जनता परेशान है। गलत तरीके से भेजे गए बिजली बिलों में तत्काल सुधार किया जाए, अन्यथा बिजली उपभोक्ता आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि क्षेत्र के अधिकतर लोग मजदूरी और खेती पर निर्भर हैं, ऐसे में इतने भारी बिजली बिल भरना उनके लिए असंभव है। प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप कर लोगों को राहत देनी चाहिए। प्रभात वर्मा ने भी कहा कि बिजली विभाग को जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। गलत तरीके से भेजे गए बिजली बिलों की तुरंत जांच कर सुधार किया जाए, ताकि गरीब और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि निवेश, उद्यमिता और आर्थिक विकास को दिशा देने वाला दस्तावेज है-एड अरुण कुमार

» कमला कॉलेज में यूनियन बजट विषय पर संगोष्ठी आयोजित

» युवाओं और एआई पर रहा विशेष फोकस

लोकतंत्र की शान

सीधी। स्थानीय कमला स्मृति महाविद्यालय, पड़रा में 10 मार्च को यूनियन बजट 2026-27 विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि सहायक निदेशक अरुण ओझा, विशिष्ट अतिथि एडवोकेट विष्णुकांत द्विवेदी एवं तरुणेन्द्र मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रोहित सिंह चौहान ने की। मुख्य अतिथि अरुण ओझा ने कहा कि भविष्य की अर्थव्यवस्था ज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी कौशल पर आधारित होगी, इसलिए युवाओं को एआई, नवाचार और आर एंड डी आधारित शिक्षा से जुड़ना चाहिए। एडवोकेट विष्णुकांत द्विवेदी ने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि निवेश, उद्यमिता और आर्थिक विकास को दिशा देने वाला दस्तावेज है। तरुणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्ट-अप और एमएसएमई को बढ़ावा देकर यह बजट युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करेगा। अध्यक्षता करते हुए डॉ. रोहित सिंह चौहान ने कहा कि छात्रों को तकनीकी दक्षता के साथ आर्थिक और डिजिटल जागरूकता भी विकसित करनी चाहिए। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं विषय-परिचय वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मंगलेश्वर गुप्ता ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन नीतू सिंह ने किया तथा आभार डॉ. सुनीता सक्सेना ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विकलांग की सहायता राशि पर डाका! 2 लाख का घोटाला, शपथ पत्र से खुला नया राज

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी: विजयराघवगढ़ क्षेत्र में गरीब और विकलांगों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम सलैया बड़गैयां के भोला भूमिया की 2 लाख रुपये की स्वीकृत अपंगता सहायता राशि कथित रूप से दूसरे व्यक्ति के खाते में पहुंचने का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। आरोप है कि भुगतान से पहले योजना प्रभारी द्वारा मूल पासबुक का सत्यापन किए बिना ही राशि ट्रांसफर कर दी गई। भोला भूमिया के अनुसार उन्होंने वर्ष 2022 में म.प्र. भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल योजना के तहत अपंगता सहायता राशि के लिए आवेदन किया था। राशि स्वीकृत होने के बावजूद उनके खाते में पैसा नहीं आया। बाद में जानकारी मिली कि 2 लाख रुपये की पूरी राशि भीखम ढीमर के खाते में पहुंच गई। आरोप है कि वहां से शाखा प्रभारी फूलचंद्र पयासी द्वारा अलग-अलग माध्यमों से रकम ली गई—कुछ नगद और कुछ अन्य तरीकों से। खातेधारक द्वारा बैंक स्टेटमेंट भी निकलवाया गया है। भोला का आरोप है कि गरीब और विकलांग लाभार्थियों को गुमराह कर योजनाओं की राशि हड़पी जा रही है और हर हितग्राही से 30–40 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जाती है।मामले में नया मोड़ तब आया जब भीखम ढीमर ने एसपी कार्यालय में शपथ पत्र देकर कहा कि उसे यह जानकारी ही नहीं है कि उसके खाते में यह राशि कैसे आई। उसने आरोप लगाया कि पैसा खाते में आने के बाद विभाग से जुड़े फूलचंद्र पयासी ने उससे 1 लाख 40 हजार रुपये निकलवा लिए, जबकि शेष 60 हजार रुपये किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ले लिए गए। इस पूरे प्रकरण ने सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। मामला सामने आने के बाद जिला पंचायत सीईओ ने कहा है कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गरीब और विकलांग के हक की इस राशि को लेकर उठे इस विवाद ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और योजनाओं की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अब सबकी नजर जांच और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

गौ सेवा से जुड़े एक कार्यकर्ता को फोन पर जान से मारने की धमकी

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश, करण मिश्रा

कटनी जलि में गौ सेवा से जुड़े एक कार्यकर्ता को फोन पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गौ मां हिन्दू सेवा संगठन के गौ सेवक ने पुलिस अधीक्षक कटनी को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर करन मिश्रा आश्रम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रात करीब 11:35 बजे मोबाइल नंबर 9815592908 से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने गौ सेवक और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी ने फोन पर कहा कि यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो अंजाम बुरा होगा। पीड़ित ने बताया कि उसी नंबर से पहले भी कई बार धमकी भरे कॉल आ चुके हैं, जिससे वह और उसका परिवार भय के माहौल में हैं। गौ मां हिन्दू सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक से मामले की गंभीरता से जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा गौ सेवक और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

रसोई गैस आपूर्ति संकट को लेकर अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

लोकतंत्र की शान

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खाड़ी देशों में युद्ध की स्थिति के बीच देश में रसोई गैस (एलपीजी) आपूर्ति पर संभावित संकट को लेकर केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इस तरह के संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर केंद्र सरकार की लापरवाही बेहद चिंताजनक है।गहलोत ने लिखा कि खाड़ी देशों में युद्ध के कारण देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते स्थिति का सही आकलन नहीं किया। उन्होंने इसे सरकार का स्पष्ट "कलेक्टिव फेलियर" बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए लिखा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए लोग रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल का उपयोग जिम्मेदारी और मितव्ययता के साथ करें, ताकि संसाधनों का संतुलित उपयोग हो सके। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से यह भी आग्रह किया कि दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिकों के भोजन के लिए संचालित ढाबों में एलपीजी गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, क्योंकि बड़ी संख्या में मजदूर रोजाना इन ढाबों पर भोजन करते हैं। इसके साथ ही गहलोत ने राजस्थान सरकार से विशेष आग्रह करते हुए लिखा कि इंदिरा रसोई (वर्तमान में अन्नपूर्णा रसोई) योजना में गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लाखों जरूरतमंद, छात्र और श्रमिक अपने भोजन के लिए इन रसोइयों पर निर्भर हैं, इसलिए यहां गैस आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

चौधरी मुशीर अली खान ने शाही जामा मस्जिद की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, जुमा अलविदा की नमाज़ को लेकर नगर पालिका टीम को दिए कड़े निर्देश

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल/जुमा अलविदा की नमाज़ को लेकर शहर की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद में सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने नगर पालिका टीम के साथ मस्जिद परिसर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान एडवोकेट मसूद अली फारूकी, सफाई निरीक्षक आसिफ अली, हरीश बाबू और रवि बाबू भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सभी ने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि जुमा अलविदा की नमाज़ के दौरान आने वाले हजारों नमाज़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस मौके पर चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि नगर पालिका परिषद सम्भल शहर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह सजग है। उन्होंने कहा कि जुमा अलविदा के मौके पर बड़ी संख्या में लोग मस्जिद में नमाज़ अदा करने आते हैं, इसलिए साफ-सफाई और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। वहीं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सम्भल के नेतृत्व में सफाई कर्मियों की विशेष टीम लगाई गई है और मस्जिद परिसर, मुख्य मार्गों व आसपास की गलियों में लगातार सफाई कराई जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी नगर पालिका परिषद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि चौधरी मुशीर अली खान और नगर पालिका प्रशासन के प्रयासों से शहर में सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों को नई दिशा मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला, नोज गियर टूटा

बैंकॉक। थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। थाई अखबार द नेशन के मुताबिक घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे बंद करना पड़ा, हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह फ्लाइट तय समय से पहले फुकेट पहुंच गई थी। विमान का निर्धारित लैंडिंग का समय सुबह 11:40 था, लेकिन यह 11:24 बजे ही उतर गया। बताया जा रहा है कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई, जिसकी वजह से उसके आगे वाले लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा। पहिया अलग हो जाने की वजह से विमान तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका। एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्थिति को जल्दी काबू में कर लिया। विमान में सात क्रू सदस्य, 131 यात्री और दो बच्चे सवार थे। इस घटना के बाद फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया ताकि विमान को हटाया जा सके और रनवे की सुरक्षा जांच की जा सके। एयरपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट AXB938 हैदराबाद से फुकेट आई थी। यह विमान बोइंग 737-800 था, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर VT-BWQ है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा, "हम पुष्टि करते हैं कि 11 मार्च को हमारी हैदराबाद-फुकेट फ्लाइट में फुकेट एयरपोर्ट पर नोज व्हील में दिक्कत आ गई थी।" नोज व्हील एयरक्राफ्ट के लैंडिंग गियर सिस्टम का एक जरूरी हिस्सा होता है।

काठमांडू में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर, नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

काठमांडू। राजधानी समेत देश के विभिन्न शहरों और आसपास के जिलों में वायु प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ने के बाद प्रशासन ने नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। लोगों से बिगड़ती वायु गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहने और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया है। काठमांडू के प्रमुख जिला अधिकारी ईश्वर राज पौडेल ने बुधवार को बताया कि यह परामर्श नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने और प्रदूषित हवा के संपर्क को कम करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। प्रशासन की तरफ से छह बिंदुओं वाला अपील-पत्र जारी किया है, जिसमें लोगों से अनुरोध किया गया है कि अत्यंत आवश्यक न हो तो घर से बाहर निकलने से बचें। इसके अलावा प्रशासन ने नागरिकों से यह भी कहा है कि जहां तक संभव हो, वाहनों का उपयोग कम करें और साझा वाहन या एक साथ यात्रा करने की व्यवस्था अपनाएं, ताकि प्रदूषण को कम करने में मदद मिल सके। इसी तरह लोगों से अपने घरों के आसपास कचरा न जलाने का भी अनुरोध किया है। इसके अलावा उच्च प्रदूषण के समय खुले में खेल-कूद या अन्य बाहरी गतिविधियों से बचने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने खास तौर पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। ऐसे लोगों को नियमित रूप से सुरक्षात्मक मास्क का उपयोग करने की भी सलाह दी गई है। प्रमुख जिला अधिकारी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ या श्वसन से जुड़ी अन्य समस्याएँ महसूस हों, तो उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर से चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। हाल के दिनों में मौसम में बदलाव के कारण नेपाल में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

रवि लामिछाने के खिलाफ मामले वापस लेने के फैसले को चुनौती देने वाली रिट पूर्ण पीठ को भेजी गई

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार द्वारा रवि लामिछाने के खिलाफ संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के संबंध में दर्ज मामलों को वापस लेने के निर्णय को चुनौती देने वाली रिट याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए पूर्ण पीठ (फुल बेंच) के पास भेजने का आदेश दिया है। न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल और श्रीकांत पौडेल की संयुक्त पीठ ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि लामिछाने के खिलाफ आरोपों में संशोधन और मामलों को वापस लेने से जुड़े इस मुद्दे पर अब पूर्ण पीठ अंतिम सुनवाई करेगी। यह निर्णय लामिछाने के कुछ कारोबारी साझेदारों पर भी लागू होता है, जिनमें जीबी राई र पूर्व डीआईजी छविलाल जोशी शामिल हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक सुनवाई के बाद अदालत ने इस मामले के अंतिम निपटारे के लिए रिट याचिका को पूर्ण पीठ के पास भेजने का आदेश दिया है। इस याचिका में अदालत से यह आदेश देने की मांग की गई थी कि महान्यायाधिवक्ता (अटॉर्नी जनरल) सविता भंडारी द्वारा आरोप पत्र में संशोधन कर लामिछाने के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने के निर्णय को रोका जाए। लामिछाने के खिलाफ सहकारी ठगी, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले देश की पांच अलग-अलग जिला अदालतों में दर्ज किए गए थे।सरकार के निर्देश पर अटॉर्नी जनरल भंडारी ने 14 जनवरी को लामिछाने के खिलाफ दर्ज दो गंभीर आरोप—संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग—को वापस लेने का निर्णय लिया था। हालांकि, सहकारी ठगी से जुड़ा मामला अभी भी कायम है, लेकिन माना जा रहा है कि इससे लामिछाने की चुनावी संभावनाओं पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। यदि संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप वापस ले लिए जाते हैं, तो चितवन-2 से चुनाव जीत चुके लामिछाने के लिए संसद में प्रवेश करने की कानूनी बाधाएँ कम हो जाएंगी। इसके विपरीत यदि ये आरोप कायम रहते हैं, तो चुनाव जीतने के बावजूद लामिछाने सांसद के रूप में शपथग्रहण का कार्य भी नहीं कर पाएंगे। लामिछाने और उनके सहयोगियों के खिलाफ गोरखा मीडिया से जुड़े सहकारी ठगी, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले वर्तमान में रुपन्देही, पोखरा, वीरगंज, चितवन और काठमांडू की जिला अदालतों में विचाराधीन हैं। अदालत की पूर्ण पीठ में होने वाली सुनवाई इस पूरे मामले की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसका सीधा असर लामिछाने के संसदीय भविष्य पर पड़ सकता है।

तेलंगाना विधानसभा स्पीकर ने दो विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं कीं खारिज

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद राव ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक दानम नागेंद्र और कादियम श्रीहरि के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया।। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि दोनों विधायकों ने आधिकारिक रूप से पार्टी बदली है। उपलब्ध सामग्री और सुनवाई के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर याचिकाओं को खारिज कर किया जाता है। विधानसभा स्पीकर गद्दाम प्रसाद राव ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। इस मुद्दे पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इसके साथ ही स्पीकर ने अब तक पार्टी बदलने के आरोपों का सामना कर रहे 10 लोगों को क्लीन चिट दे दी है। विधानसभा में विपक्ष के नेता भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रामा राव ने आरोप लगाया कि कि दोनों विधायकों ने दल-बदल विरोधी नियमों का उल्लंघन किया है। कार्यकारी अध्यक्ष ने स्पीकर के निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी बदलने के मामले में विधायक दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि को क्लीन चिट देना लोकतंत्र पर खुला हमला है। उन्होंने स्पीकर के इस फैसले को लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फैसला नहीं है, यह सत्ता में बैठे लोगों के पक्ष में संवैधानिक तंत्र का इस्तेमाल करने का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से लोगों का भरोसा टूटेगा। तेलंगाना के लोग सब कुछ देख रहे हैं और सही समय पर जवाब देंगे। इस मामले मे विधायक दानम नागेंद्र ने केटीआर और भाजपा नेताओं पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल उठाया कि बीआरएस विधायक दल की हाल में हुई बैठक में उन्हें क्यों शामिल नहीं किया गया। नागेंद्र ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी अन्य पार्टी की सदस्यता नहीं ली और विधानसभा में बीआरएस के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी की तरफ से किसी भी व्हिप का पालन नहीं किया गया। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर फैसला उनके खिलाफ भी जाता, तो वह उपचुनाव लड़कर जीतते।

गुजरात आ रहे थाईलैंड के कार्गो जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

गुजरात आ रहे थाईलैंड के एक कार्गो जहाज पर होर्मुज स्ट्रेट में हमला हुआ है। ओमान के पास चल रहे इस जहाज को प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। थाईलैंड के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद 23 में से 20 क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। थाई झंडे वाला यह बल्क कैरियर मयूरी नारी संयुक्त अरब अमीरात (UAE) से रवाना हुआ था। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज के पिछले हिस्से पर हमला हुआ, जिससे इंजन रूम में आग लग गई।

बताया गया है कि तीन लापता क्रू सदस्य उस समय इंजन रूम में ड्यूटी पर थे। कैप्टन के आदेश पर बाकी क्रू ने जहाज छोड़ दिया और लाइफबोट में सवार हो गए। ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर को बचाकर खसाब शहर पहुंचाया। थाईलैंड के अधिकारियों के मुताबिक रॉयल थाई नेवी स्थिति पर नजर रखे हुए है और बचाव अभियान के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

ईरान ने अमेरिकी-इजराइली ठिकानों पर 39वीं मिसाइल खेप दागी: ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने अमेरिका और इजराइल के ठिकानों की ओर मिसाइलों की 39वीं खेप दागी है।

लेबनान में इजराइली ड्रोन हमले से 2 की मौत: लेबनान में इजराइली ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह हमला हबूश और अरबसलिम कस्बों के बीच हुआ। इस ताजा हमले के बाद बुधवार को लेबनान में इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

ईरानी प्रोफेसर बोले- होर्मुज स्ट्रेट कई महीने बंद रह सकता है : ईरान के तेहरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर फोआद इजादी ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों तक बंद रह सकता है। उनका कहना है कि जब तक ईरान को युद्ध से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं मिलती, तब तक यह जलमार्ग बंद रह सकता है। इजादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद अहम है और दुनिया के करीब 20% तेल का ट्रांसपोर्ट इसी समुद्री मार्ग से होता है। उनके मुताबिक इस जलमार्ग को बंद करना युद्ध में ईरान के सबसे शक्तिशाली हथियारों में से एक हो सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 दिनों में ईरान को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है और इसकी कीमत चुकानी होगी। इजादी ने चेतावनी दी कि अगर इस नुकसान की भरपाई नहीं होती, तो होर्मुज स्ट्रेट कई महीनों तक बंद रह सकता है।

- ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया, 3 अभी भी लापता

तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में ली शपथ

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को शपथ ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने तरनजीत सिंह संधू को लोक निवास में आयोजित समारोह में दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के तौर पर शपथ दिलाई। इस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रही।

तरनजीत सिंह संधू ने विनय कुमार सक्सेना का स्थान लिया। विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ लेने से पहले आज तरनजीत सिंह संधू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच लोक सेवा एवं शासन से संबंधित विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने पांच मार्च वरिष्ठ राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया था। वे श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त और अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत रह चुके हैं। तरनजीत सिंह संधू का जन्म 23 जनवरी 1963 को पंजाब में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा लॉरेंस स्कूल सनावर से पूरी की। उसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एमए की डिग्री हासिल की।

शपथ ग्रहण के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री ने उपराज्यपाल संधु की उपस्थिति में मीडिया से कहा कि वे उपराज्यपाल का स्वागत करती हैं। आप दिल्ली को और भी तेजी से बढ़ाने के लिए यहां आए हैं। हमें पूरा विश्वास है कि उनकी उपस्थिति से दिल्ली की प्रगति में और तेजी आएगी। दिल्ली की समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से निकाला जाएगा। उनके मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार निर्देशों के अनुसार कार्य करेगी।

एलपीजी संकट से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा: केजरीवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत होने से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है।

केजरीवाल ने आआपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में एलपीजी की दैनिक उपलब्धता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों पर पड़ रहा है। भारत में एलपीजी की कुल खपत का करीब 60 फीसद हिस्सा आयात के जरिए पूरा किया जाता है और इस आयात का लगभग 90 फीसद हिस्सा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के रास्ते आता है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इस मार्ग से भारत को आने वाली आपूर्ति लगभग बंद हो गई है। इसके कारण एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है।

केजरीवाल ने कहा कि देशभर में शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर, बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जाएगी। इससे देश के सभी हिस्सों में एलपीजी गैस की किल्लत हो गई है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को युद्ध शुरू होने के एक दिन पहले इजराइल जाने की क्या जरूरत थी? ऐसा करके उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संसदीय परंपराओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण: अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, जो संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकसभा के इतिहास के अनुसार सदन की कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर चलती है। अध्यक्ष एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, जो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसी उद्देश्य से सदन ने नियम बनाए हैं, जिनके आधार पर अध्यक्ष सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं।

अमित शाह ने कहा कि यह सदन कोई बाजार नहीं है, बल्कि यहां सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार अपनी बात रखें और चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि कोई भी सदस्य अपने अधिकारों की बात कर सकता है, लेकिन सदन के नियमों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब भी उसने कभी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के फैसलों से असहमति हो सकती है लेकिन लोकसभा के नियमों के अनुसार अध्यक्ष का निर्णय अंतिम माना जाता है और उसकी निष्ठा पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस पद पर चुना गया था, तब सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के नेताओं ने मिलकर उन्हें आसन तक पहुंचाया था। इसका अर्थ है कि दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे अध्यक्ष को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र वातावरण दें।

उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में संसद के दोनों सदनों ने देश के लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया है और पूरी दुनिया भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली की प्रतिष्ठा को स्वीकार करती है। लेकिन जब सदन के प्रमुख पद पर बैठे व्यक्ति की निष्ठा पर सवाल उठाए जाते हैं, तो इसका असर केवल देश में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। अमित शाह ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बहुत कम लाए जाते हैं। सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए अध्यक्ष के कक्ष में जाने और संवाद करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए कि अध्यक्ष की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगें क्योंकि इससे संसदीय परंपराओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है।

10 माओवादी कैडरों ने ओडिशा के कंधमाल में किया आत्मसमर्पण, 1.15 करोड़ का इनाम

एजेंसी, भुवनेश्वर

प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन को बड़ा झटका देते हुए 10 भूमिगत कैडरों ने ओडिशा के कंधमाल जिला पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। ये सभी छत्तीसगढ़ के निवासी हैं और इन्होंने 10 बंदूकें सहित अन्य गोला-बारूद भी जमा कराए हैं। इन माओवादी कैडरों पर कुल मिलाकर 1.15 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। इन माओवादियों ने फुलबनी स्थित रिजर्व पुलिस ग्राउंड में ओडिशा पुलिस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में आत्मसमर्पण किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए एडीजी (एंटी-नक्सल ऑपरेशंस) संजीव पंडा ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले अन्य सीपीआई (माओवादी) कैडरों की पहचान इस प्रकार हुई है- राज्य समिति सदस्य सानू पोट्टम उर्फ नीतू (केकेबीएन डिवीजन), उसी डिवीजन की डिविजनल कमेटी सदस्य सांतेई सलाम उर्फ अनुपा, एरिया कमेटी सदस्य लक्ष्मी मडवी उर्फ संगीता, एरिया कमेटी सदस्य सुनील तेलम, पार्टी सदस्य मंजुला पुनेम उर्फ शिल्पा, पार्टी सदस्य रामबती ओयाम उर्फ जमुना, पार्टी सदस्य गणेश कुंजाम, पार्टी सदस्य सुशीला डुडी, पार्टी सदस्य सरिता कुहुदम और पार्टी सदस्य चोड़ी योगी उर्फ रजनी।

संजीव पंडा ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने औपचारिक रूप से हिंसा का त्याग किया, उग्रवादी गतिविधियों से सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास जताते हुए समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नबरंगपुर, बलांगीर, कोरापुट, मलकानगिरी, नुआपड़ा और बौध जिले अब नक्सल-मुक्त हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि कंधमाल, कालाहांडी और रायगढ़ा जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों को भी नक्सल-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। "इन इलाकों में लगभग 25 माओवादी सक्रिय हैं। हम उनसे अपील करते हैं कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हों।

इस अवसर पर एडीजी (एंटी-नक्सल ऑपरेशंस) संजीव पंडा, एसआईडब्ल्यू के डीआईजी अखिलेश्वर सिंह, साउथ-वेस्टर्न रेंज के डीआईजी नीति शेखर, आईजी ऑपरेशंस दीपक कुमार, सीआरपीएफ के आईजी अमितेंद्रनाथ सिन्हा, डीआईजी सीआरपीएफ दिलीप सिंह, एएसपी रामेंद्र प्रसाद, बलिगुड़ा एसडीपीओ भोसले स्मरण संजय और कंधमाल एसपी हरीशा बी.सी. उपस्थित थे।

श्रीलंका को ईरानी जहाज 'डेना' के 84 नाविकों के शव एंबेसी को सौंपने का आदेश

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका के पास समुद्र में अमेरिकी टारपीडो से डुबोए गए ईरानी जहाज 'डेना' के 84 नाविकों के शव उनके देश भेजने का रास्ता साफ हो गया। यह शव चार मार्च से श्रीलंका के गाले नेशनल अस्पताल में रखे हुए हैं। गाले की चीफ मजिस्ट्रेट समीरा डोडांगोडा ने आज गाले नेशनल हॉस्पिटल के निदेशक को आदेश दिया कि वे हॉस्पिटल में रखे गए 84 ईरानी नाविकों के शव श्रीलंका में ईरान एंबेसी के अधिकारियों को सौंप दें।

श्रीलंका के अखबार डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय समयानुसार यह आदेश आज सुबह 11 जारी किया गया। गाले पोर्ट पुलिस ने कोर्ट से इसका आग्रह किया था। सभी शवों को फिलहाल हॉस्पिटल कैंपस में दो मोबाइल कोल्ड स्टोरेज यूनिट में रखा गया है। श्रीलंका के अधिकारियों ने इनके शव देश के दक्षिणी तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी हमले के बाद डूबे एक ईरानी नौसैन्य जहाज से बरामद किए थे।

श्रीलंका की इस घोषणा के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत 'डेना' को डुबो दिया है। उन्होंने कहा था कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से टॉरपीडो से दुश्मन के जहाज को डुबोने की पहली घटना है। यह जहाज हाल ही में भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नौसैन्य अभ्यास में शामिल हुआ था।

बांदा में आयकर और ईडी का कई कारोबारियों-ठेकेदारों के ठिकानों पर छापा

एजेंसी, बांदा

आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की संयुक्त टीमों ने बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के बांदा शहर में कई बड़े कारोबारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और काले धन से जुड़े मामलों की जांच के तहत की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, उप आयकर निदेशक ऋषिराज सिंह के नेतृत्व में आईटी और ईडी की टीमें सुबह लगभग 8 बजे बांदा पहुंचीं और अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू कर दी। टीमों ने संबंधित प्रतिष्ठानों और आवासों में मौजूद दस्तावेजों, खातों और वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड की गहन जांच में जुट गई। इस कार्रवाई से शहर के बालू से जुड़े कारोबारियों में हलचल मच गई। छापेमारी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए संबंधित स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो, इसके लिए किसी भी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

जिन प्रमुख कारोबारियों और ठेकेदारों के यहां जांच की कार्रवाई चल रही है, उनमें बिजली विभाग के ठेकेदार हिम्मत सिंह, महाराणा प्रताप चौराहे के पास स्थित अवनी परिधि अस्पताल के संचालक अज्ञात गुप्ता, मौरंग व्यवसायी सीरज ध्वज सिंह और शिवशरण सिंह, पेट्रोल पंप व्यवसायी भाजपा नेता दिलीप सिंह तथा भाजपा नेता और पूर्व विधायक दलजीत सिंह समेत कई नाम शामिल बताए जा रहे हैं। इन सभी के आवास और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच टीमें मौजूद हैं और विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

दावा-सैटेलाइट से अमेरिकी लोकेशन ट्रैक कर रहा था चीन

एजेंसी, बीजिंग

28 फरवरी को ईरान पर पहली मिसाइल चलने से पहले ही चीनी सोशल मीडिया पर संकेत मिलने लगे थे कि अमेरिका बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इंटरनेट पर अमेरिकी सैन्य तैयारियों से जुड़ी सैटेलाइट तस्वीरें तेजी से फैलने लगी थीं। इन तस्वीरों में रनवे पर खड़े लड़ाकू विमान, रेगिस्तानी एयरफील्ड पर उतरते ट्रांसपोर्ट प्लेन और भूमध्यसागर में किसी विमानवाहक पोत के डेक पर तैनात फाइटर जेट दिखाई दे रहे थे। इन तस्वीरों की खास बात यह थी कि इनमें असामान्य रूप से बहुत ज्यादा जानकारी दी गई थी और यह जानकारी अंग्रेजी में नहीं बल्कि मंदारिन (चीनी भाषा) में लिखी हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तस्वीरों में अलग-अलग विमानों के नाम बताए गए थे, मिसाइल रक्षा सिस्टम को साफतौर पर चिह्नित किया गया था और सैनिकों की तैनाती को सटीक लोकेशन के साथ दिखाया गया था।

चीनी एआई कंपनी ने शेयर की थीं तस्वीरें: इन सैटेलाइट तस्वीरों को एक चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने ऑनलाइन साझा किया था। एक तस्वीर में इजराइल के ओवदा एयरबेस पर लॉकहीड मार्टिन के F-22 स्टेल्थ फाइटर खड़े दिखाई दे रहे थे। दूसरी तस्वीर में सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर विमानों और सपोर्ट सिस्टम की बढ़ती तैनाती दिखाई गई थी। इसके अलावा कतर, जॉर्डन और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी नक्शे पर चिह्नित किया गया था। ये सभी तस्वीरें शंघाई स्थित जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी मिजार विजन ने साझा की थीं, जिसमें 200 से कम कर्मचारी काम करते हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर हवाई हमले शुरू किए। इसके जवाब में तेहरान ने मिसाइल और ड्रोन हमले किए। लेकिन इस संघर्ष के बीच एक और चीज समानांतर रूप से चल रही थी। इंटरनेट पर लगातार सैटेलाइट तस्वीरें सामने आ रही थीं, जिनमें अमेरिकी विमानों, मिसाइल रक्षा सिस्टम और नौसैनिक गतिविधियों को दिखाया जा रहा था। ये सभी तस्वीरें शंघाई स्थित जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी मिजार विजन द्वारा साझा की जा रही थीं। बताया जाता है कि पहली बड़ी तस्वीरों का सेट 20 फरवरी के आसपास सामने आया था। मिजार विजन ने हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट तस्वीरों का एक संग्रह जारी किया, जिसमें दक्षिणी इजराइल के ओवदा एयर बेस पर अमेरिकी विमानों की तैनाती, सऊदी अरब और कतर समेत मिडिल ईस्ट के कई देशों में फाइटर जेट की मौजूदगी, अरब सागर में नौसैनिक गतिविधियां और विमानवाहक पोतों की आवाजाही दिखाई गई। इन सभी तस्वीरों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अलग-अलग जानकारी भी जोड़ी गई थी। विमानों के प्रकार बताए गए थे, सपोर्ट विमानों की पहचान की गई थी और मिसाइल रक्षा सिस्टम को भी चिह्नित किया गया था। 1 मार्च तक यह डेटा और बढ़ गया था।

- ईरान पर पहली मिसाइल गिरने से पहले ही चीनी कंपनी ने दी थी हमले की जानकारी

पश्चिम एशिया की जंग,मध्य-पूर्व संकट- भारत की रसोई तक पहुँचा-एलपीजी संकट के बीच सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 का ब्रह्मास्त्र चलाया-7 साल तक की जेल

लोकतंत्र की शान

» पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट यह दिखाता है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं

» भारत के लिए मौजूदा तेलीय पदार्थ संकट,ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक स्थिरता के संकट की चेतावनी व ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अवसर भी प्रदान करता है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष भर नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के कारण दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक,स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधा उत्पन्न हो गई है। यही मार्ग विश्व के बड़े हिस्से में तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।इस मार्ग में व्यवधान का असर भारत के ईंधन बाजार पर सीधा पड़ा है। एलपीजी टैंकरों के फंस जाने,कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने और गैस आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण भारत के ऑटो- एलपीजी तथा औद्योगिक गैस बाजार में भारी दबाव पैदा हो गया है,ऐसे में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. नई दरों के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपए महंगा हो गया है।स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सरकार को 5 मार्च 2026 को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू करना पड़ा।सामान्य परिस्थितियों में यह कानून कम ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन मौजूदा संकट ने इसे फिर से सक्रिय करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि दरअसल यह संकट केवल ऊर्जा बाजार का नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा और आम नागरिकों की दैनिक जरूरतों से जुड़ा हुआहै।भारत में करोड़ों परिवार रसोई गैस पर निर्भर हैं और औद्योगिक उत्पादन भी ऊर्जा आपूर्ति से सीधे जुड़ा हुआ है।ऐसे में पश्चिम एशिया की जंग भारत की रसोई और उद्योग दोनों के लिए सटीक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई है। साथियों बात अगर हम भारत की ऊर्जा निर्भरता:आयात पर आधारित संरचना को समझने की करें तो भारत दुनियाँ की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ-साथ ऊर्जा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन देश की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन सीमित है। भारत अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है।एलपीजी के मामले में भी स्थिति लगभग यही है। देश में हर साल लगभग 3 करोड़ 13 लाख टन एलपीजी की खपत होती है,जबकि घरेलू उत्पादन करीब 1 करोड़ 28 लाख टन ही है। इसका मतलब है कि लगभग 58 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है।इस आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत तक पहुंचता है। यह वही समुद्री मार्ग है जो ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल और गैस का प्रमुख रास्ता माना जाता है।जब इस मार्ग में युद्ध के कारण बाधा आई तो एलपीजी टैंकरों की आवाजाही रुक गई। परिणाम स्वरूप भारत में गैस आपूर्ति की स्थिति अचानक अस्थिर हो गई।सरकार के पास मौजूद बफर स्टॉक के आधार पर देश लगभग 25 से 30 दिन तक एलपीजी की जरूरत पूरी कर सकता है, लेकिन अगर आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है तो संकट और भी बहुत गंभीर हो सकता है। साथियों बात अगर हम कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला और आपूर्ति संकट को समझने की करें तो, ऊर्जा संकट को और गहरा करने वाली एक अन्य घटना कतर की एलएनजी सुविधा पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले थे। कतर दुनियाँ के प्रमुख गैस निर्यातकों में से एक हैऔर भारत के लिए भी एलएनजी का महत्वपूर्ण स्रोत है।हमले में कतर की एलएनजी सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद भारत की कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से गैस आपूर्ति पर फोर्स मैजर घोषित कर दिया। इसका मतलब यह हुआ कि अनुबंध होने के बावजूद गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई।इस घटना ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक नया संकट खड़ा कर दिया।एलएनजी और एलपीजी दोनों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी, जिससे ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई।ऐसी स्थिति में सरकार के सामने दोहरी चुनौती थी एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और दूसरी ओर बाजार में जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकना। साथियों बात अगर हम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955: संकट में सरकार का सबसे बड़ा हथियार इसको समझने की करें तो, ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को लागू किया। यह कानून भारत में आवश्यक वस्तुओं केउत्पादन वितरण और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था।इस अधिनियम के तहत सरकार को यह अधिकार मिलता है कि वह किसी भी जरूरी वस्तु के उत्पादन,स्टॉक,वितरण और कीमतों पर नियंत्रण स्थापित कर सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता को आवश्यक वस्तुएं उचित कीमत पर और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों।इस कानून को अक्सर सरकार का "ब्रह्मास्त्र" कहा जाता है, क्योंकि इसके तहत सरकार को असाधारण अधिकार मिलते हैं। वह कंपनियों और व्यापारियों को निर्देश दे सकती है कि वे कितना उत्पादन करें, कितना स्टॉक रखें और किस कीमत पर बिक्री करें।पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद इस कानून के तहत शुरू से ही शामिल रहे हैं। हालांकि तेल क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बहुत कम होता है। यही कारण है कि 2026 में एलपीजी संकट के दौरान इसका उपयोग एक बड़ा और असामान्य कदम माना जा रहा है। साथियों बात अगर हम सरकार ने यह कानून क्यों लागू किया? इसको समझने की करें तो सरकार के इस कदम के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं।सबसे पहला कारण गैस आपूर्ति में संभावित रुकावट है। खाड़ी देशों से होने वाली गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा युद्ध के कारण प्रभावित हो गया है। अनुमान है कि भारत को मिलने वाली लगभग 60 प्रतिशत गैस आपूर्ति पर इसका असर पड़ सकता है।दूसरा कारण जमाखोरी और मुनाफाखोरी को रोकना है। जब भी बाजार में किसी आवश्यक वस्तु की कमी की आशंका होती है तो कुछ व्यापारी अधिक लाभ कमाने के लिए उसका स्टॉक जमा करने लगते हैं। इससे कृत्रिम कमी पैदा हो जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं।तीसरा कारण घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देना है। सरकार ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे प्रोपेन और ब्यूटेन जैसे गैस घटकों का इस्तेमाल अन्य उत्पादों के बजाय एलपीजी उत्पादन के लिए करें। इससे घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। इन सभी कदमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में गैस की आपूर्ति सामान्य बनी रहे और आम लोगों को संकट का सामना न करना पड़े। साथियों बात अगर हम एलपीजी उत्पादन और वितरण पर सरकार का नियंत्रण को समझने की करें तोआवश्यक वस्तु अधिनियम लागू होने के बाद सरकार ने एलपीजी उत्पादन और वितरण प्रणाली में कई बदलाव किए हैं।रिफाइनरियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने उत्पादन का बड़ा हिस्सा घरेलू एलपीजी जरूरतों को पूरा करने में लगाएं। इसके अलावा व्यापारियों और वितरकों के लिए स्टॉक लिमिट तय की जा सकती है।अगर कोई व्यापारी या कंपनी तय सीमा से अधिक स्टॉक जमाकरती है तो प्रशासन उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता हैइस कानून के तहत अधिकारियों को यह अधिकार है कि वे गोदामों की जांच करें और जरूरत पड़ने पर स्टॉक जब्त कर लें।इस व्यवस्था का उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता बनाए रखना और आपूर्ति श्रृंखला को संतुलित करना है।आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।इस कानून की धारा 7 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति या संस्था जमाखोरी, कालाबाजारी या अवैध व्यापार में शामिल पाई जाती है तो उसे 3 महीने से लेकर 7 साल तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।इस सख्त प्रावधान का उद्देश्य यहसुनिश्चित करना है कि बाजार में कोई भी व्यक्ति या संस्था संकट की स्थिति का फायदा उठाकर अनुचित लाभ बिलकुल भी न कमा सके। साथियों बात अगर हम 2022 के बाद पहली बार इतना बड़ा कदम इसको समझने की करें तो, तेल क्षेत्र में आवश्यक वस्तु अधिनियम का इस्तेमाल बहुत कम होता है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान इसे सीमित रूप से लागू किया गया था।उस समय सरकार ने रिफाइनरियों को निर्यात रोककर घरेलू बाजार में आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।लेकिन 2026 में एलपीजी उत्पादन के लिए सीधे निर्देश देना एक असाधारण कदम माना जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार ऊर्जा संकट को लेकर गंभीर है और घरेलू उपभोक्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। साथियों बात अगर हम गैस सिलेंडर बुकिंग नियमों में बदलाव को समझने की करें तो ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया है। पहले उपभोक्ता किसी सिलेंडर की डिलीवरी के 21 दिन बाद नया सिलेंडर बुक कर सकते थे,लेकिन अब इस अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है सरकार का कहना है कि यह बदलाव जमाखोरी को रोकने और वितरण प्रणाली को संतुलित बनाए रखने के लिए किया गया है।हालांकि कुछ परिवारों में गैस की खपत अधिक होती है, इसलिए यह चिंता भी सामने आई है कि अगर सिलेंडर 25 दिन से पहले खत्म हो जाए तो क्या होगा ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध विकल्प अगर किसी परिवार में गैस सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाता है तो उपभोक्ता अपनी गैस एजेंसी या डिस्ट्रीब्यूटर से संपर्क कर सकते हैं। कई मामलों में एजेंसी विशेष अनुमति देकर जल्दी बुकिंग की सुविधा प्रदान कर सकती है। इसके अलावा उपभोक्ता अतिरिक्त शुल्क देकर इमरजेंसी सिलेंडर भी प्राप्त कर सकते हैं। जिन परिवारों में गैस की खपत अधिक है उनके लिए डबल सिलेंडर कनेक्शन लेना एक बेहतर विकल्प हो सकता है।इस व्यवस्था में एक सिलेंडर खत्म होने के बाद दूसरा तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है और इस दौरान नया सिलेंडर बुक करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। साथियों बात अगर हम ऊर्जा संकट और भारत की दीर्घकालिक रणनीति को समझने की करें तो मौजूदा संकट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी।सरकार पहले से ही कई कदम उठा रही है। इनमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना शामिल है।भारत सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों पर भी तेजी से काम कर रहा है। इसके अलावा जैव ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्पों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।इन सभी प्रयासों का उद्देश्य तेल और गैस आयात पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करना है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक राजनीति का नया समीकरण बना है,पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट यह दिखाता है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है बल्कि इसका असर दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है।भारत के लिए यह स्थिति एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी।चेतावनी इसलिए क्योंकि ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।अवसर इसलिए क्योंकि यह संकट ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज कदम उठाने का मौका भी देता है।आवश्यक वस्तु अधिनियम का उपयोग करके सरकार ने फिलहाल गैस संकट को नियंत्रित करने की कोशिश की है।लेकिन दीर्घकालिक समाधान तभी संभव है जब भारत ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाए और घरेलू उत्पादन तथा नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दे। यदि ऐसा किया जाता है तो भविष्य में किसी भी वैश्विक संकट का प्रभाव भारत की रसोई और उद्योग पर सीमित रहेगा और देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बना

-संकलनकर्ता लेखक - क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

तिरुचिरापल्ली से नई रेल क्रांति का उदघोष

लेखक : बिनोद कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ती हुई धातु की गाड़ियाँ नहीं है। वह भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और सांस्कृतिक संपर्क का सबसे बड़ा सेतु है।इस विशाल देश में जहाँ भौगोलिक दूरियाँ अनेक बार लोगों, बाजारों और अवसरों के बीच दूरी पैदा कर देती हैं,वहाँ रेल व्यवस्था उन्हें जोड़ने वाली जीवनरेखा का कार्य करती है।जब भी कोई नई रेल सेवा शुरू होती है,तो वह केवल एक परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं होती,बल्कि लाखों लोगों के जीवन में नई संभावनाओं का द्वार खोलती है।तमिलनाडु के ऐतिहासिक नगर तिरुचिरापल्ली ने आज ऐसा ही एक महत्वपूर्ण क्षण देखा,जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस,दो एक्सप्रेस रेलगाड़ियों और एक यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इसके साथ ही केरल के एर्णाकुलम से एक और पैसेंजर ट्रेन सेवा भी शुरू की गई। इन रेल सेवाओं के आरंभ के साथ

दक्षिण भारत,दक्कन और पूर्वी भारत के बीच संपर्क का एक नया अध्याय खुल गया है।प्रधानमंत्री की इस यात्रा का महत्व केवल रेल सेवाओं तक सीमित नहीं रहा।इस अवसर पर उन्होंने लगभग 5,650 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।इन परियोजनाओं में रेलवे, ऊर्जा,पेट्रोलियम अवसंरचना, ग्रामीण सड़क संपर्क और औद्योगिक विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं।यह पूरा कार्यक्रम इस बात का संकेत देता है कि आधुनिक भारत का विकास अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रह सकता,बल्कि उसे देश के हर क्षेत्र तक समान रूप से पहुँचना होगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेल केवल परिवहन का साधन नहीं है,बल्कि यह देश की प्रगति और सामाजिक एकता की महत्वपूर्ण धुरी है।उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पिछले वर्षों में रेलवे के व्यापक आधुनिकीकरण, नई ट्रेनों की शुरुआत,स्टेशन पुनर्विकास और रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण जैसे कदमों ने यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान की है। उनके अनुसार विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश के छोटे-छोटे शहर और कस्बे भी मजबूत परिवहन नेटवर्क से जुड़ेंगे। इस संदर्भ में पोदानूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरुआत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। दक्षिण भारत का औद्योगिक शहर कोयंबटूर लंबे समय से देश के प्रमुख विनिर्माण केंद्रों में गिना जाता है।कपड़ा उद्योग,मशीन टूल्स,पंप निर्माण और छोटे-मध्यम उद्योगों की विशाल श्रृंखला ने इस शहर को दक्षिण भारत की औद्योगिक राजधानी जैसा स्थान दिलाया है। यहाँ के कारखानों की मशीनों की निरंतर आवाज़ केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था का संकेत नहीं है, बल्कि यह भारत के औद्योगिक तंत्र की धड़कन भी है।फिर भी एक विडंबना लंबे समय से बनी हुई थी कि इतना बड़ा औद्योगिक केंद्र होने के बावजूद कोयंबटूर का पूर्वी भारत के खनिज और ऊर्जा क्षेत्र से सीधा रेल संपर्क नहीं था।अब यह स्थिति बदल गई है।पोदानूर से धनबाद तक चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस पहली बार दक्षिण भारत के इस औद्योगिक क्षेत्र को झारखंड के कोयला और इस्पात क्षेत्र से सीधे जोड़ती है।पोदानूर जंक्शन कोयंबटूर का दूसरा प्रमुख रेलवे केंद्र है और यही इस नई ट्रेन का प्रारंभिक स्टेशन है। इसके कुछ ही समय बाद यह कोयंबटूर जंक्शन पहुँचती है, जिससे यात्रियों को इस सेवा का लाभ लेने के लिए दो प्रमुख स्टेशन उपलब्ध हो जाते हैं। पहले कोयंबटूर या तिरुप्पुर से झारखंड और पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों को चेन्नई,विजयवाड़ा या अन्य बड़े जंक्शनों पर ट्रेन बदलनी पड़ती थी। इससे यात्रा लंबी,जटिल और थकाऊ हो जाती थी।नई अमृत भारत एक्सप्रेस इस व्यवस्था को सरल और सुगम बनाती है। यह ट्रेन अपने मार्ग में सेलम, रेनिगुंटा,विजयवाड़ा,झारसुगुड़ा और राँची जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरती है।इस प्रकार यह रेल सेवा केवल दो शहरों को नहीं जोड़ती,बल्कि दक्षिण भारत के औद्योगिक गलियारे और पूर्वी भारत की ऊर्जा पट्टी के बीच एक नया आर्थिक सेतु स्थापित करती है। कोयंबटूर और तिरुप्पुर की पहचान केवल उद्योगों से नहीं है।यह क्षेत्र देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लाखों प्रवासी श्रमिकों का भी प्रमुख केंद्र है।झारखंड,बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से हजारों युवा रोज़गार की तलाश में यहाँ आते हैं और करघों,कारखानों तथा निर्माण स्थलों पर काम करते हैं।उनके श्रम से ही इस क्षेत्र की औद्योगिक मशीनरी निरंतर गतिशील बनी रहती है।इन श्रमिकों के लिए अपने घर लौटना कई बार एक कठिन निर्णय बन जाता था।दो हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी,कई बार ट्रेन बदलने की मजबूरी, भीड़ भरे प्लेटफॉर्म और अनिश्चित समय - यह सब उस यात्रा को और अधिक कठिन बना देता था जो पहले से ही भावनात्मक रूप से भारी होती है। अमृत भारत एक्सप्रेस उनके लिए घर लौटने की इस यात्रा को सरल और सुगम बनाती है।अमृत भारत एक्सप्रेस को विशेष रूप से सामान्य यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।यह पूरी तरह गैर-एसी,किफायती किराए वाली और बिना डायनामिक किराया प्रणाली वाली ट्रेन है। इसका उद्देश्य उन लोगों को बेहतर यात्रा सुविधा देना है जिनके लिए रेल ही सबसे विश्वसनीय और सुलभ साधन है। आधुनिक स्लीपर और जनरल कोच,बेहतर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता और अपेक्षाकृत अधिक गति-ये सभी सुविधाएँ अब उन यात्रियों को भी उपलब्ध हो रही हैं जिन्हें पहले केवल प्रीमियम ट्रेनों में मिलने वाली सुविधाएँ ही मिलती थीं। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष कोच भी इस सेवा का हिस्सा हैं, जिससे यात्रा अधिक समावेशी बनती है।दक्षिण भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण रेल सेवा नागरकोइल-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में शुरू हुई है।भारत के सबसे दक्षिणी छोर कन्याकुमारी के निकट स्थित नागरकोइल लंबे समय से तीर्थयात्रियों,मछुआरों और समुद्री जीवन से जुड़े समुदायों का प्रमुख क्षेत्र रहा है। फिर भी यह क्षेत्र दक्कन के बड़े आर्थिक केंद्रों से अपेक्षाकृत दूर रहा।नागरकोइल से हैदराबाद की यात्रा अक्सर लंबी और जटिल होती थी, जिसमें कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती थी।नई अमृत भारत एक्सप्रेस इस दूरी को कम करते हुए तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अनेक जिलों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करती है।यह रेल सेवा विद्यार्थियों, कामगारों,व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के लिए नई संभावनाएँ खोलती है।इसके अतिरिक्त रामेश्वरम-मंगलुरु एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मंगलुरु एक्सप्रेस जैसी नई रेल सेवाएँ तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों को जोड़ती हैं। रामेश्वरम हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है और रामनाथस्वामी मंदिर के दर्शन के लिए हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं।नई रेल सेवा से तीर्थयात्रियों की यात्रा और अधिक सुगम हो जाएगी।दूसरी ओर मंगलुरु कर्नाटक का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है,जहाँ व्यापार और शिक्षा के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।इन नई ट्रेनों से छात्रों,व्यापारियों और पेशेवरों को बेहतर संपर्क मिलेगा।क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मयिलादुथुराई -तिरुवरूर- काराईकुडी पैसेंजर ट्रेन सेवा भी शुरू की गई है। यह सेवा कावेरी डेल्टा के कृषि प्रधान क्षेत्रों को जोड़ती है और किसानों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय व्यापारियों के लिए दैनिक आवा गमन को सरल बनाती है।इसी प्रकार पालक्काड-पोल्लाची पैसेंजर सेवा तमिलनाडु और केरल के सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच संपर्क को और मजबूत करती है।रेल सेवाओं के विस्तार के साथ- साथ आधारभूत ढाँचे का आधुनिकी करण भी किया जा रहा है।केरल में शोरनूर,कुट्टिप्पुरम और चंगनास्सेरी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया है। आधुनिक प्लेटफॉर्म,लिफ्ट, एस्केलेटर,बेहतर प्रतीक्षालय और मुफ्त वाई-फाई जैसी सुविधाओं से युक्त ये स्टेशन आधुनिक भारत के नए रेलवे ढाँचे का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।इसके साथ ही शोरनूर- निलांबुर रेलवे लाइन के विद्युती करण को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। लगभग 65 किलोमीटर लंबी इस परियोजना से डीज़ल इंजनों पर निर्भरता कम होगी,यात्रा समय घटेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।रेल परियोजनाओं के अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने ऊर्जा और आधारभूत संरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का भी शुभारंभ किया। नीलगिरि और इरोड जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क,चेन्नई के मनाली क्षेत्र में इंडियन ऑयल का ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों का निर्माण जैसी परियोजनाएँ क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेंगी।अमृत भारत एक्सप्रेस भारतीय रेल की नई पीढ़ी की ट्रेनों में से एक है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बनाए गए इन रेकों में आधुनिक डिजाइन और मजबूत संरचना का संयोजन है।पुश-पुल लोकोमोटिव प्रणाली के कारण ये ट्रेनें 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति प्राप्त कर सकती हैं।विगत जनवरी 2024 में पहली अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू होने के बाद से यह नेटवर्क लगातार विस्तार कर रहा है।नई सेवाओं के शुरू होने के बाद देश में इन ट्रेनों की संख्या बढ़कर 58 हो गई है।रेलवे की पटरियाँ केवल ट्रेनों को नहीं ढोतीं, वे सपनों और उम्मीदों को भी आगे ले जाती हैं।किसी मजदूर के लिए यह घर लौटने का रास्ता है,किसी छात्र के लिए शिक्षा तक पहुँच का माध्यम और किसी उद्योग के लिए व्यापार की नई संभावनाएँ।तिरुचिरापल्ली से शुरू हुई ये नई रेल सेवाएँ और विकास परियोजनाएँ इसी व्यापक सोच का हिस्सा हैं - एक ऐसा भारत जहाँ दूरी अवसरों की सीमा न बने और देश का हर क्षेत्र विकास की समान गति से आगे बढ़ सके।जब हरी झंडी लहराई और इंजन की सीटी के साथ ट्रेनें आगे बढ़ीं,तब वह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था। इसके शाथ उस यात्रा की शुरुआत थी,जिसमें भारत के अलग -अलग हिस्से पहले से अधिक मजबूती से एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं-पटरियों,सड़कों और ऊर्जा अवसंरचना के उस विस्तृत जाल के माध्यम से आधुनिक भारत के विकास की नित्य नई कहानी लिख रहा है।

"डॉ.रखमाबाई (रुक्माबाई) राउत"

- डॉ.जया शुक्ला

वैसे तो हमारे देश में वीर महिलाओं की कभी कमी नहीँ रही। महारानी लक्ष्मीबाई से लेकर तीलू रौतेली तक युद्धकला में प्रवीण, अत्याचारी आक्रान्ताओं को नाकों चने चबवा देने वाली वीरांगनाएँ हों; दुश्मन के हाथ पड़ने के बजाय जौहर की ज्वाला में कूद पड़ने वाली निर्भीक महिलाएँ हों; स्वतंत्रता की बलिवेदी पर सर्वस्व बलिदान करदेने को उद्यत क्रान्तिकारी देवियाँ हों; समाज की रूढ़ियों से - तमाम लांछनों तथा अत्याचारों के बावजूद- लड़कर जीत हासिल करने वाली दृढ़प्रतिज्ञ और समाज को बदलने वाली बहादुर महिलाएँ हो; अहिंसात्मक तरीक़े से अपने विपुल आत्मबल के साथ सत्याग्रह से नहीं डिगने वाली महात्मा गाँधी की शिष्याएँ हों; भारतभूमि सदैव वीरप्रसवा रही है। इन के बीच एक ऐसा भी नाम है, जो महिला स्वाभिमान और उनके अधिकारों के लिये लड़ीँ। यहाँ तक कि जेल भी गईं। अन्ततः सफल भी हुईं। वह भी आज से लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले। यह थीँ डॉ.रखमाबाई (रुक्माबाई) राउत। यह संभवतः भारत की प्रथम महिला डॉक्टर थीँ। लेकिन डॉक्टर होने से कहीं ज़्यादा वह भारत की शुरुआती नारीवादियों मेँ से एक थीँ। छोटी आयु से ही उनमेँ आगे बढ़ने की ललक थी, और साथ ही अपना इच्छित लक्ष्य प्राप्त करने के लिये मार्ग ढूँढने की समझदारी तथा उसके लिए कठिन परिश्रम करने का धैर्य भी था। उन्हौंने निजी और पेशेवर जीवन में हर चुनौती को स्वीकार किया तथा सफल भी हुईं। उस समय की प्रथा के अनुसार मात्र ग्यारह वर्ष की आयु में उनका विवाह उनसे आठ वर्ष बड़े श्री भीकाजी के साथ हो गया। विवाह के बाद वह अपने माता-पिता के साथ रहती थीं। उस ज़माने में पुरुषों का अपनी पत्नियों को छोड़ देना या फिर तलाक़ दे देना, आम बात थी। किन्तु सिर्फ़ 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने तलाक़ के लिए कोर्ट मे क़ानूनी लड़ाई लड़ी।1884 में भीकाजी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में पत्नी के ऊपर पति के वैवाहिक अधिकार का हवाला देते हुए याचिका दायर की, जिसके बाद हाईकोर्ट ने उन्हें पति के साथ रहने या जेल जाने का आदेश दिया। रखमाबाई ने ज़बरदस्ती की शादी में रहने से बेहतर जेल जाना समझा। वह जेल जाने के लिए तैयार हो गईं। उनका यह फ़ैसला उस समय के लिहाज़ से एक ऐतिहासिक और बेहद साहसिक क़दम था। रखमा बाई ने तर्क दिया कि उन्हें उस विवाह में रहने के लिए बाध्य नहीँ किया जा सकता जो तब हुआ जब वह इसके लिए सहमति देने में असमर्थ थीं। इस तर्क ने बाल विवाह और महिलाओं के अधिकारों पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वह एक ऐतिहासिक कानूनी मसले के केंद्र में रहीं जिसके परिणामस्वरूप आज "एज ऑफ कॉन्सेंट एक्ट 1891" कानून, यानी दो वयस्कों के बीच शादी करने की वैधानिक उम्र तय की गई। रखमाबाई ने अख़बारों में कई पत्र लिखे, जिन पर उन्हें काफ़ी समर्थन भी मिला। जब उन्होंने पढ़ने की इच्छा जताई तो उनके समर्थन में फ़ंड इकट्ठा हो गया, जिससे उन्हें इंग्लैण्ड में लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन में पढ़ने का मौक़ा मिला। कामा अस्पताल में डॉ. एडिथ पेचे ने रुक्माबाई को प्रोत्साहित किया तथा उनकी शिक्षा के लिए धन जुटाने में मदद की थी। उनको मताधिकार कार्यकर्ता ईवा मैकलेरन और वाल्टर मैकलेरन और भारत की महिलाओं को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए डफ़रिन के फंड की काउंटेस द्वारा सहायता दी गई थी। एडिलेड मैनिंग और कई अन्य ने "रुक्माबाई रक्षा समिति" की एक निधि की स्थापना मेँ मदद की।योगदानकर्ताओं मेँ शिवाजीराव होल्कर भी शामिल थे, जिन्होंने परंपराओं के विरुद्ध हस्तक्षेप करने का साहस दिखाया और 500 रुपये का दान दिया था। विवाह समाप्त होने के तुरंत बाद रखमाबाई ने 1889 में "लंदन स्कूल ऑफ़ मेडिसिन फॉर विमेन" में दाख़िला लिय, तथा. 1894 में स्नातक की पढ़ाई पूरी कर के जॉक्टर बनीँ। वह आगे पढ.ना चाहती थीँ। किन्तु लंदन स्कूल औफ़ मेडिसिन उस समय तक महिलाओं को एमडी नहीँ करवाता था। रखमाबाई ने इसके विरुद्ध भी आवाज़ बुलन्द की। उन्हौंने ब्रुसेल्स से एमडी की तथा भारत की प्रथम महिला एमडी डॉक्टर बनीँ। रखमाबाई प्रैक्टिस करने वाली डॉक्टर बनीँ। यद्दयपि पति से अलग होने के उनके फ़ैसले के कारण बहुत से लोगोँ से उन्हें आलोचनाएँ सुनने को मिलती थीँ, लेकिन वह रुकीं नहीँ। दुबारा उन्होंने विवाह नहीँ किया। रखमाबाई ने शुरू मेँ मुंबई के कामा अस्पताल में काम किया, लेकिन बाद में वो सूरत चली गईं। डॉ. रखमाबाई ने अपना पूरा जीवन महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए समर्पित कर दिया, तथा पैंतीस वर्षों तक प्रैक्टिस की।

- डॉ.जया शुक्ला

वर्ल्डकप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

सूर्या बोले- हमारा अगला टारगेट ओलिंपिक गोल्ड, ईशान ने बच्चों के साथ क्रिकेट खेला

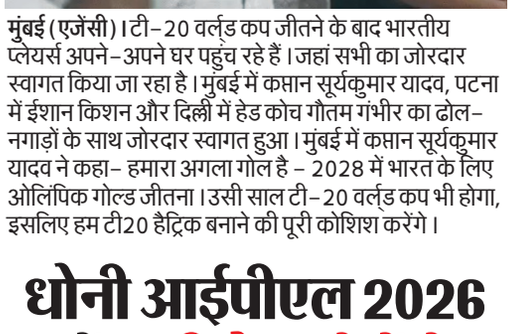

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स अपने-अपने घर पहुंच रहे हैं। जहां सभी का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव, पटना में ईशान किशन और दिल्ली में हेड कोच गौतम गंभीर का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- हमारा अगला गोल है - 2028 में भारत के लिए ओलिंपिक गोल्ड जीतना। उसी साल टी-20 वर्ल्ड कप भी होगा, इसलिए हम टी20 हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

धोनी आईपीएल 2026 में सभी मैच खेलेंगे

- सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने दिए जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आने वाले एडिशन में सभी मैच खेल सकते हैं, साथ ही यह भी कहा कि उनके खेलने के रोल पर आखिरी फैसला टीम मैनेजमेंट करेगा। आईपीएल का 19वां एडिशन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और सभी फ्रेंचाइजी ने इस कैश-रिच इवेंट की तैयारी के लिए अपने ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिए हैं। हाल ही में खत्म हुए टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा रहे खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ेंगे और टूर्नामेंट के लिए ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

सीएसके के लीजेंड धोनी के आईपीएल 2026 में मेन इन येलो के लिए खेलने के साथ उनकी उम्र को देखते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज के सभी मैचों में हिस्सा लेने को लेकर चिंता थी। हालांकि कासी ने ऐसी सभी चिंताओं को खारिज कर दिया और कहा, मेरे हिसाब से वह सभी मैच खेलेंगे। टीम में अब एक और विकेटकीपर-बैटर सैमसन के होने से टूर्नामेंट में वह क्या रोल निभाएंगे? उन्होंने कहा, यह मैं नहीं कह सकता। यह क्रिकेट का फैसला है जो क्रिकेट स्टाफ लेगा। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ नहीं। इसलिए वे तय करेंगे कि वह बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे या विकेटकीपर-बैटर के तौर पर, या एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर। देश में शुरू होने वाले चुनावी प्रोसेस को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट का शेड्यूल गुरुवार को घोषित होने की संभावना है। कासी ने कन्फर्म किया कि पांच बार के चैंपियन अपने सभी होम मैच चेन्नई में खेलेंगे।

टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में अर्शदीप पर जुर्माना

- न्यूजीलैंड के मिचेल की ओर गेंद फेंकी थी, मैच फीस का 15 प्रतिशत कटा, डिमेरिट पॉइंट भी मिला

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्डकप 2026 के फाइनल में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन के कारण जुर्माना लगाया गया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर गेंद फेंकने की घटना के बाद आईसीसी ने उन पर कार्रवाई की। मंगलवार को जारी बयान में अर्शदीप की मैच फीस का 15 प्रति. काटने के साथ उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया। 8 फरवरी को फाइनल में अर्शदीप ने गुस्से में आकर मिचेल की तरफ गेंद फेंकी थी। जो उनके पैड्स पर लगी थी।

लेवल-1 के तहत जुर्माना

यह कार्रवाई आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन के मामले में की गई। फाइनल मैच रविवार को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया था। इसमें भारत ने 96 रन से कीवी टीम को हराकर लगातार दूसरी और ओवरऑल तीसरा टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनी थी।

मिचेल की कोहनी पर बॉल लगी

न्यूजीलैंड की पारी के 11वें ओवर में अर्शदीप ने अपने फॉलो थ्रू में गेंद फील्ड की और वापस फेंकी, जो बल्लेबाज डेरिल मिचेल को लग गई। इसे आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.9 का उल्लंघन माना गया। इस नियम में मैच के दौरान किसी खिलाड़ी की ओर अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद या अन्य उपकरण फेंकने को गलत माना जाता है।

- **एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला-** जुर्माने के साथ अर्शदीप के अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला मामला है। मैदान पर मौजूद अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ, थर्ड अंपायर अलाउद्दीन पलेकर और फोर्थ अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने यह आरोप लगाया था। मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने जो सजा प्रस्तावित की, उसे अर्शदीप ने स्वीकार कर लिया।

भारत सिर्फ घरेलू पिचों पर 200+ रन नहीं बनाता: कोच गंभीर

- लग गया था कि संजू बेहतर करेगा, आंकड़े नहीं, अंतरात्मा की आवाज पर चलता हूं

मेरा काम सुपरस्टार नहीं, सुपर टीम बनाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने कई मुद्दों पर बात की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने भारतीय पिचों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि टी-20 बैटर्स का खेल है और भारत ने विदेशों में भी 200 से ज्यादा स्कोर बनाया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका में भी ऐसा स्कोर बनाया है। टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारत तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम बन गया और साथ ही टाइटल डिफेंड करने वाला पहला देश भी बन गया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग फिलॉसफी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य टीम में सुपरस्टार बनाना नहीं बल्कि एक मजबूत सुपर टीम तैयार करना है।

गंभीर ने अपनी कार्यशैली पर बात करते हुए कहा कि वह फैसले लेते समय डेटा से ज्यादा अपनी समझ और अंतरात्मा की आवाज पर भरोसा करते हैं। उन्होंने संजू सैमसन को लगातार मौका देने की वजह, अपनी नियुक्ति और टीम के भविष्य पर भी चर्चा की। साथ ही पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर दिए बयान पर कड़ी आपत्ति जताई।

'भारत में विकेट तैयार करने का आरोप गलत'

टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पिचों को लेकर उठे सवालों पर टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि भारत अपने फायदे के लिए पिच तैयार करता है, यह आरोप गलत है और अक्सर ऐसे बयान विवाद और टीआरपी के लिए दिए जाते हैं। गंभीर के मुताबिक टी-20 क्रिकेट अब बैटर्स का खेल बन चुका है और दुनियाभर में बड़े स्कोर बन रहे हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसे देशों में भी 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, इसलिए इसे सिर्फ घरेलू पिचों से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में पिचों की जिम्मेदारी इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल की होती है, बीसीसीआई की नहीं। इसलिए भारत के लिए विकेट तैयार करने का सवाल ही नहीं उठता। गंभीर ने कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने वहां करीब 180 रन बनाए थे, जबकि बाकी टीमें उसी पिच पर करीब 140 रन तक ही पहुंच सकीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाए। टी-20 मैच में दर्शक बड़े स्कोर देखना चाहते हैं। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका में भी हाई स्कोरिंग मैच आम हो गए हैं।

डेटा नहीं, अपनी समझ पर भरोसा करता हूं

गंभीर का कहना है, 'कोच के तौर पर फैसले लेते समय मैं डेटा से ज्यादा अपनी समझ पर भरोसा करता हूं। हर कोच की टीम को लेकर अपनी अलग सोच और नजरिया होता है।' गंभीर ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो उस पर कायम रहता हूं और गलत साबित होने पर जिम्मेदारी भी स्वीकारता हूं। टीम का खेल, व्यवहार और माहौल मेरी अपनी सोच और विजन का हिस्सा है, जबकि भविष्य में आने वाला कोच अपनी सोच के साथ टीम को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर मैं वीवीएस लक्ष्मण और अजीत अगरकर जैसे अनुभवी लोगों से क्रिकेट पर चर्चा करता हूं।

जसप्रीत बुमराह टी-20 कम, वनडे ज्यादा खेलेंगे

2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पर रहेगा फोकस, वर्कलोड मैनेज करेगा बोर्ड

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं।

बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद वनडे नहीं खेला- बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

2027 वर्ल्डकप तक टी-20 की प्राथमिकता कम- अक्टूबर-नवंबर 2027 तक टी20 इंटरनेशनल टीम के लिए कम प्राथमिकता वाला फॉर्मेट माना जा रहा है। इसी दौरान जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं। अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्डकप होगा। उसी साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का

फाइनल भी खेला जाएगा। 2028 में अगला टी-20 वर्ल्ड कप, ओलिंपिक गेम्स और चैंपियंस ट्रॉफी शेड्यूल्ड हैं।

आईपीएल के बाद तैयार होगी रणनीति- आईपीएल के बाद सिलेक्शन कमेटी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टीम मैनेजमेंट मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। आईपीएल में बुमराह मुंबई इंडियंस के पेस अटैक की अगुआई करने वाले हैं।

बड़े टूर्नामेंट में बुमराह की फिटनेस अहम

भारत के बड़े टूर्नामेंट अभियानों में बुमराह की फिटनेस बेहद अहम रहती है। ऐसे में उनके मैचों और फॉर्मेट को लेकर काफी सावधानी बरती जाएगी। बुमराह पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के टॉप विकेट टेकर रहे हैं।

व्यापार

बैंक मुनाफे का अधिकतम 75 प्रतिशत ही दे सकेंगे डिविडेंड

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए डिविडेंड (लाभांश) देने से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब बैंक अपने शेयरधारकों को अपने मुनाफे का अधिकतम 75 प्रतिशत तक ही डिविडेंड के रूप में दे सकेंगे। यह नया फ्रेमवर्क वित्त वर्ष 2026-27 से लागू होगा और नवंबर 2025 में जारी पुराने दिशानिर्देशों की जगह लेगा। ये नियम कमर्शियल बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और रीजनल रूरल बैंक सभी पर लागू होंगे। आरबीआई के नए नियम के मुताबिक, किसी भी बैंक का डिविडेंड पेआउट रेशियो उसके प्रॉफिट आफ्टर टैक्स का 75 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। भले ही बैंक पूंजी पर्याप्तता के आधार पर ज्यादा भुगतान करने के योग्य हों, फिर भी कुल भुगतान 75 प्रतिशत की सीमा के भीतर ही रहेगा। आरबीआई के नए नियमों के मुताबिक बैंक जो डिविडेंड देंगे, उसमें नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स को भी शामिल किया गया है। वहीं डिविडेंड तय करने के लिए नया कॉन्सेप्ट लागू किया है। बैंक को पहले अपने नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स का 50 प्रतिशत घटाना होगा।, उसके बाद जो मुनाफा बचेगा उसी के आधार पर डिविडेंड तय किया जाएगा।

सेंसेक्स 78000 और निफ्टी 24200 के नीचे, शेयर मार्केट में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट एक बार फिर गिरावट की पटरी पर आ गया है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 407 अंक नीचे 77798 पर आ गया है। जबकि, एनएसई का 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 110 अंकों की गिरावट के साथ 24150 पर ट्रेड कर रहा है। :शेयर मार्केट एक बार फिर गिरावट की पटरी पर आ गया है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 255 अंक नीचे 77950 पर आ गया है। जबकि, एनएसई का 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 67 अंकों की गिरावट के साथ 24194 पर ट्रेड कर रहा है। एनएसई पर 2107 स्टॉक्स हरे और 569 लाल हैं। शेयर मार्केट की शुरुआत आज सुस्त हुई है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 32 अंक ऊपर 78238 पर खुला। जबकि, एनएसई का 50 शेयरों वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी

29 अंकों की गिरावट के साथ 24231 पर खुला। प्रीओपनिंग में सेंसेक्स टॉप गेनर के रूप में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर थे। अमेरिका-ईरान युद्ध के घटनाक्रम को लेकर निवेशकों के सतर्क रहने के बीच मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर मार्केट के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी-50 के बुधवार को गिरावट के साथ खुलने के आसार हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच एशियाई बाजारों में तेजी रही, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार रातोंरात मिश्रित बंद हुए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान युद्ध समाप्त होने के संकेत के बाद वैश्विक जोखिम धारणा में सुधार के बाद मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 639.82 अंक या 0.82 प्रतिशत को 78,205.98 पर बंद करने के लिए उछल गया.

सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोने का रेट सुबह प्रॉफिट बुकिंग के चलते गिर गया। एमसीएक्स गोल्ड अप्रैल फ्यूचर्स लगभग आधा परसेंट गिरकर 1,62,638 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि एमसीएक्स सिल्वर मई फ्यूचर्स शुरुआती डील में लगभग 1 प्रतिशत गिरकर 2,75,402 प्रति केजी पर आ गया। पिछले सेशन में, एमसीएक्स गोल्ड अप्रैल फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 1,63,303 प्रति 10 ग्राम पर और सिल्वर मई फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट 4 प्रतिशत बढ़कर 2,77,850 प्रति किलोग्राम पर सेटल हुआ था। इंटरनेशनल मार्केट में आज बुधवार, 11 मार्च को सोने-चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा मध्य पूर्व संघर्ष को लेकर दिए गए बयानों के बाद ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है, जिसका असर कीमती धातुओं पर भी देखने को मिल रहा है। स्पॉट गोल्ड रेट आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है, हालांकि यह 5,200 डॉलर के स्तर से ऊपर बना हुआ है। एशियाई कारोबारी घंटों के दौरान सोने की कीमत 0.34 फीसदी की गिरावट के साथ 5,224 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही

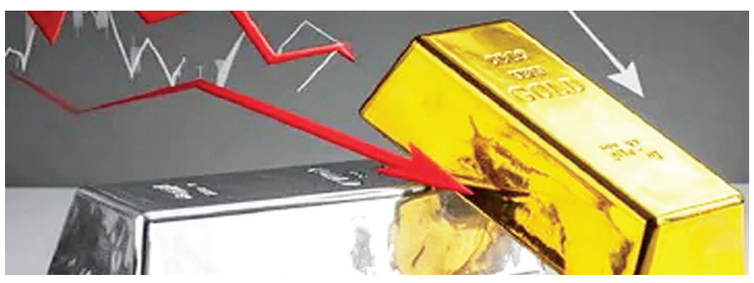

थी। वहीं, स्पॉट सिल्वर की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई और यह 0.32 फीसदी लुढ़ककर 89.35 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। एक ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से किसी ऑयल टैंकर को एस्कॉर्ट नहीं किया। यह बयान क्रिस राइट के अब डिलीट किए जा चुके सोशल मीडिया पोस्ट के विपरीत है। मंगलवार को भारी गिरावट के बाद अब तेल की कीमतों में फिर से तेजी आई है। यह संघर्ष अब अपने 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इसका असर पूरे मध्य पूर्व में क्रूड प्रोडक्शन और रिफाइनिंग ऑपरेशंस पर लगातार देखा जा रहा है। टाटा म्यूचुअल फंड की मार्च 2026 की गोल्ड एंड सिल्वर आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत फंडामेंटल्स और बाजार की अनिश्चितताओं को देखते हुए निवेशकों

को सोने और चांदी दोनों में निवेश जारी रखना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा भू-आर्थिक कारक, संरचनात्मक और चक्रीय फंडामेंटल फैक्टर्स के साथ मिलकर सोने-चांदी की कीमतों को सपोर्ट कर सकते हैं। फर्म ने सुझाव दिया है कि निवेशक कीमतों में किसी भी गिरावट पर जमाखोरी का मौका तलाश सकते हैं। उनका मानना है कि पोर्टफोलियो में लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के तौर पर गोल्ड में स्ट्रैटेजिक अलोकेशन के लिए मौजूदा बाजार का माहौल काफी अनुकूल है।

इकलौती लिस्टेड गेमिंग कंपनी पर मॉर्गन स्टैनली फिदा

खरीद डाले करीब 29 लाख शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। गेमिंग की दुनिया में चर्चित कंपनी नजारा टेक्नोलॉजी में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टैनली ने बड़ा दांव लगाया है। जानकारी के मुताबिक ब्लॉक डील के तहत मॉर्गन स्टैनली की इकाई मॉर्गन स्टैनली एशिया सिंगापुर ने कंपनी के लगभग 69.2 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। डील की डिटेल पर बात करें तो मॉर्गन स्टेनली ने नजारा टेक्नोलॉजीज के 28.85 लाख शेयर 239.8 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे। यह ब्लॉक डील ऐसे समय में हुई है जब पिछले कुछ समय से नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयरों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, मंगलवार को नजारा का शेयर करीब 2 पर्सेंट चढ़कर 245.50 रुपये पर बंद हुआ। नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो 240.90 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकालबे 247 रुपये तक गया। शेयर के 52 हफ्ते का हाई और लो क्रमशः 362.50 रुपये और 221.50 रुपये है। बता दें कि नजारा टेक्नोलॉजी भारत की इकलौती लिस्टेड गेमिंग कंपनी है, जो गेमिंग और डिजिटल मीडिया के कई सेगमेंट में काम करती है। कंपनी का कारोबार मोबाइल गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, एड-टेक, डिजिटल विज्ञापन और बच्चों के एजुकेशन टेक प्लेटफॉर्म तक फैला हुआ है। कंपनी के पोर्टफोलियो ब्रांड की बात करें तो किडोपिया, एनिमल गेम्स जैसे नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा कंपनी के पास

ऑफलाइन गेमिंग ब्रांड जैसे फंकी मंकी एंटरटेनमेंट भी हैं। डिजिटल विज्ञापन क्षेत्र में कंपनी की सहायक इकाई भी काम करती है। मुंबई की यह कंपनी ग्लोबली विस्तार कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)